RNI N.- BIHBIL/2022/88070 राष्ट्रीय द्विभाषिक सामाचार पत्र www.bordernewsmirror.com

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

पटना, वर्षः 6 , अंकः305, रविवार, 16 नवंबर 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः8 9471060219, 9470050309 www.bordernewsmirror@gmail.com

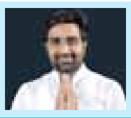

मोतिहारी विधानसभा क्षेत्र में एक सशक्त विपक्ष की भूमिका निभाने के लिए तैयार है देवा गुप्ता 03

भाजपा प्रत्याशी की जीत पर कार्यकर्ताओं में मनाया जश्न 04

जूटोपिया 2 में अपनी आवाज का जादू बिखेरेगी श्रद्धा कपूर 07

ठंड से कांप रहा राजस्थान एमपी में चल रही शीतलहर

- 10 शहरों में सीजन का सबसे कम रहा तापमान

नई दिल्ली (एजेंसी)। हिमालय से आ रही बर्फीली हवाओं से उत्तर और मध्य भारत के राज्यों के तापमान में गिरावट आई है। राजस्थान में इस सीजन में पहली बार तापमान 5 डिग्री सेल्सियस पर पहुंच गया। सीकर, अलवर, फतेहपुर (सीकर) समेत 10 से ज्यादा शहर ऐसे रहे, जहां इस सीजन का सबसे कम तापमान दर्ज हुआ। मध्य प्रदेश में लगातार शीतलहर चल रही है। खासकर भोपाल, इंदौर, उज्जैन, सागर, ग्वालियर और

जबलपुर संभाग के शहरों में न्यूनतम तापमान 10 डिग्री के नीचे है। इससे पहले गुरुवार-शुक्रवार की रात शहडोल सबसे ठंडा रहा। यहां पहली बार पारा 7.2 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया। 8 डिग्री के साथ शिवपुरी दूसरा सबसे ठंडा शहर रिकॉर्ड किया गया। दिल्ली में बुधवार को हवा की गुणवत्ता थोड़ी सुधरी, लेकिन प्रदूषण का असर लोगों पर बना हुआ है। 14 नवंबर की सुबह 6.15 बजे सेंट्रल पॉल्यूशन कंट्रोल बोर्ड के आंकड़ों के मुताबिक औसत एक्यूआई 386 रिकॉर्ड हुआ।

राजनीति छोड़ रही और परिवार से भी नाता तोड़ रही

- लालू की बेटी रोहिणी का ऐलान,चल रहा था टकराव

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार का चुनाव इस बार लालू परिवार को बड़ा घाव देकर गया है। पहले तो चुनाव में सीटों की संख्या घटी और सियासी साख दांव पर लग गई। अब परिवार भी बिखरता नजर आ रहा है। बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे आने के 24 घंटे भी नहीं बीते हैं कि लालू यादव की बेटी रोहिणी ने राजनीति और

परिवार दोनों छोड़ने का ऐलान कर दिया। एक्स पर लिखी पोस्ट में रोहिणी आचार्य ने यह ऐलान किया। बता दें कि बिहार चुनाव से कुछ वक्त पहले ही लालू यादव ने अपने बड़े बेटे तेज प्रताप यादव को पार्टी और परिवार दोनों से बेदखल कर दिया था। रोहिणी ने अपनी इस पोस्ट में संजय यादव पर गंभीर आरोप लगाए हैं। रोहिणी ने लिखा है कि संजय यादव और रमीज ने उन्हें ऐसा करने के लिए कहा है। उन्होंने लिखा कि मैं सारे आरोप अपने ऊपर लेती हूं।

अल फलाह यूनिवर्सिटी पर और कसा शिकंजा

- जमीन की पैमाइश शुरू,भूमि अधिग्रहण में गड़बड़ी का शक

चंडीगढ़ (एजेंसी)। दिल्ली में लाल किले के पास हुए आतंकी हमले के बाद फरीदाबाद के धौज गांव में स्थित अल फलाह यूनिवर्सिटी पर सरकार और एजेंसियों ने शिकंजा कस दिया है। आतंकी गतिविधियों का केंद्र बनी अल फलाह यूनिवर्सिटी की जमीन की जिला नगर योजनाकार इन्फोर्समेंट की टीम ने पैमाइश शुरू कर दी। करीब एक घंटे तक टीम ने पैमाइश के साथ प्रबंधन से रिकॉर्ड भी तलब किया। बताया जा रहा है कि पैमाइश

करने का आदेश हरियाणा सरकार ने जारी किया है। टीम की ओर से यूनिवर्सिटी प्रबंधन से भी सारा रिकॉर्ड मांगा गया है। अब टीम पूरी रिपोर्ट तैयार करके सरकार को भेजेगी। इस पैमाइश का मकसद ये पता लगाना है कि 70 एकड़ के विशाल इलाके में फैली इस यूनिवर्सिटी के लिए भूमि अधिग्रहण में कोई धांधली तो नहीं हुई। **साल 2014 में कांग्रेस राज में मिली थी मान्यता-** अल फलाह यूनिवर्सिटी की शुरुआत 1997 में एक इंजीनियरिंग कॉलेज के रूप में हुई थी। 2013 में अल-फलाह इंजीनियरिंग कालेज को विश्वविद्यालय अनुदान आयोग की असेसमेंट एंड एक्रेडिटेशन काउंसिल (नैक) से 'ए' कैटेगरी की मान्यता प्राप्त हुई। अल-फलाह मेडिकल कॉलेज भी इसी दायरे में है।

अब नाबालिग भी ले सकते हैं अग्रिम जमानत

- कोलकाता हाईकोर्ट का फैसला,कहा-बेल के लिए कर सकेंगे आवेदन

जुवेनाइल कानून में मनाही का जिक्र नहीं,अभी 18+ वाले ही हकदार

कोलकाता (एजेंसी)। कोलकाता हाईकोर्ट ने शुक्रवार को कहा कि अब किसी भी अपराध में आरोपी नाबालिग भी एंटीसिपेटरी बेल के लिए आवेदन कर सकेंगे। इससे पहले सिर्फ बालिग आरोपियों को ही गिरफ्तारी से पहले जमानत लेने का हक था। तीन जजों की डिवीजन बेंच ने कहा कि जुवेनाइल जस्टिस एक्ट तब लागू होता है जब नाबालिग पकड़ा जाता है और उसे जुवेनाइल बोर्ड के सामने पेश किया जाता है। लेकिन अग्रिम जमानत तो गिरफ्तारी से पहले का अधिकार है, ताकि किसी की व्यक्तिगत स्वतंत्रता सुरक्षित रहे। यह फैसला जस्टिस जय सेनगुप्ता, जस्टिस तीर्थंकर घोष और जस्टिस बिवास पटनायक की बेंच ने दिया। देश के किसी भी हाईकोर्ट की तरफ से सुनाया गया इस तरह का यह पहला फैसला है। यह मामला उन चार नाबालिगों की याचिका से शुरू हुआ, जिन्हें 2021 में पश्चिम बंगाल के रघुनाथगंज पुलिस स्टेशन में दर्ज मामलों में गिरफ्तारी का डर था। मुद्दा यह था कि क्या जुवेनाइल जस्टिस एक्ट, 2015 उन्हें अग्रिम जमानत (धारा 438) का अधिकार देता है या नहीं। इस बात पर जजों की अलग-अलग राय थी इसलिए एक सिंगल जज ने इसे बड़ी पीठ के पास भेज दिया था, ताकि फैसला हो सके।

तीन जजों का फैसला, दो सहमत, एक असहमत

जस्टिस जय सेनगुप्ता और जस्टिस तीर्थंकर घोष ने फैसले पर सहमति देते हुए कहा कि अगर यह मान लिया जाए कि नाबालिगों को अग्रिम जमानत नहीं मिलेगी, तो इसका मतलब होगा कि बच्चों से वह अधिकार छीन लेना जो बालिगों को मिलता है, और यह बात बच्चों की भलाई वाली सोच के खिलाफ है। संविधान में दी गई व्यक्तिगत आजादी को कम करने का कोई इरादा लॉ बनाने वालों का नहीं था। इसलिए जुवेनाइल जस्टिस एक्ट, जो बच्चों की भलाई के लिए बना है, उसे ऐसा कानून नहीं माना जा सकता जो बच्चों को किसी दूसरे फायदे वाले कानूनी अधिकार जैसे अग्रिम जमानत से रोके, जब तक कि एक्ट में इसे साफ-साफ मना न किया गया हो। अगर किसी नाबालिग को अग्रिम जमानत दी जाती है, तो कोर्ट ऐसे बच्चों के हितों को ध्यान में रखते हुए ऐसा नियम बना सकता है, ताकि यह जुवेनाइल जस्टिस बोर्ड के काम में दखल न दे।

जीत के बाद भाजपा का 'सफाई अभियान' शुरू

- आरके सिंह पार्टी से निलंबित, अभी कई और पर गिरेगी गाज

पटना (एजेंसी)। बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में एनडीए की जीत के अगले दिन भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) ने बड़ी कार्रवाई करते हुए पूर्व केंद्रीय मंत्री आरके सिंह को पार्टी से निलंबित कर दिया है। भाजपा ने उन्हें नोटिस भेजकर पार्टी विरोधी गतिविधियों में शामिल होने पर जवाब भी मांगा गया है। आरा से भाजपा के पूर्व सांसद और नरेंद्र मोदी सरकार में मंत्री रह चुके आरके सिंह बीते लंबे समय से पार्टी में सक्रिय नहीं हैं। उन पर पार्टी विरोधी गतिविधियों के चलते यह कार्रवाई की गई। भाजपा ने शुक्रवार को अशोक अग्रवाल और कटिहार की मेयर उषा अग्रवाल को भी कारण बताओ नोटिस भेजा। बिहार भाजपा की ओर से भेजे गए नोटिस में आरके सिंह से कहा गया कि उनकी गतिविधियां पार्टी के विरोध में है, इसे गंभीरता से लिया गया है। इसलिए उन्हें निलंबित करते हुए पार्टी से निष्कासित क्यों न कर दिया जाए।

फरीदाबाद से जब्त विस्फोटक से श्रीनगर थाने में धमाका

- अब तक 12 लोगों की मौत, 32 घायल, चल रहा इलाज
- सैम्पल लेते समय अमोनियम नाइट्रेट में हो गया था ब्लास्ट

श्रीनगर (एजेंसी)। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में नौगाम पुलिस स्टेशन में शुक्रवार रात करीब 11.22 बजे बड़ा धमाका हुआ। 9 लोगों की मौत हो गई है, 32 लोग घायल हैं। इनका 92 आर्मी बेस और सौरा हॉस्पिटल में इलाज जारी है। अधिकारियों के मुताबिक, ब्लास्ट उस समय हुआ जब पुलिस व्हाइट कॉलर आतंकी मॉड्यूल मामले में जब्त विस्फोटक के सैंपल ले रही थी। हालांकि अभी यह स्पष्ट नहीं है कि क्या पुलिस स्टेशन में पूरा 360 किलो विस्फोटक रखा गया था या फिर कुछ हिस्सा ही लाया गया था। जम्मू-कश्मीर के डीजीपी नलिन प्रभात ने कहा कि, यह एक हादसा था। सैंपलिंग के वक्त ब्लास्ट हुआ। मारे गए 9 लोगों में से एक इंस्पेक्टर, 3 फॉरेंसिक टीम मेंबर, 2 क्राइम ब्रांच फोटोग्रॉफर, 2 राजस्व अधिकारी और एक दर्जी शामिल है। दरअसल यह विस्फोटक हरियाणा के फरीदाबाद से गिरफ्तार डॉ. मुजम्मिल गनई के किराए के घर से जब्त किया गया था। गनई को दिल्ली ब्लास्ट केस में पहले ही अरेस्ट किया जा चुका है। 10 नवंबर को दिल्ली में लाल किला के पास कार ब्लास्ट में 13 लोगों की मौत हो गई थी।

कांग्रेस ने आदिवासियों को उनके हाल पर छोड़ा था

- पीएम बोले-6 दशक तक राज करने वाली पार्टी ने नहीं दिया ध्यान
- मोदी ने कहा-बिरसा मुंडा के घर जाने वाला मैं हूं पहला प्रधानमंत्री

सूरत (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को गुजरात पहुंचे। उन्होंने कहा- मैं देश का पहला पीएम हूं, जो भगवान बिरसा मुंडा के घर गया था। उनके परिवार के लोगों के साथ मेरा मिलना जारी है। उन्होंने आगे कहा कि देश में 6 दशक तक राज करने वाली कांग्रेस ने आदिवासियों को उनके हाल पर छोड़ा था। यहां कुपोषण, स्वास्थ, सुरक्षा, शिक्षा का अभाव रहा। पीएम ने इससे पहले सूरत में बन रहे मुंबई-अहमदाबाद हाई-स्पीड रेल कॉरिडोर का जायजा लिया। इसके बाद नर्मदा जिले के डेडियापाडा पहुंचे और देवमोगरा मंदिर में पंडोरी माता की पूजा की। पंडोरी माता को गुजरात, महाराष्ट्र, मध्य प्रदेश और राजस्थान के आदिवासी समुदाय अपनी कुलदेवी मानते हैं। पीएम ने डेडियापाडा में 4 किमी लंबा रोड शो भी किया। इस दौरान आदिवासी समुदाय के हजारों लोग सड़क किनारे नजर आए। इसके बाद उन्होंने 9700 करोड़ के प्रोजेक्ट्स की शुरुआत की।

एनडीए ने हमेशा आदिवासी समाज के लोगों ने शीर्ष पदों पर बिठाया

मोदी बोले- एनडीए ने हमेशा आदिवासी समाज के लोगों ने शीर्ष पदों पर बिठाया है। छत्तीसगढ़ के सीएम राज्य का कायाकल्प कर रहे हैं। उड़ीसा सीएम जनजातीय समाज के हमारे माझी जी उड़ीसा का विकास कर रहे हैं। हमने कई राज्यों में आदिवासी सीएम दिए। भाजपा ने कई राज्यों में आदिवासी को जगह दी। मंगूभाई पटेल एमपी के राज्यपाल हैं। सोनोवाल जी शिपिंग मिनिस्ट्री संभाल रहे हैं। भीड़ में मौजूद बच्ची की लाई पेंटिंग एसपीजी जवानों से लेने का कहा..साथ ही बच्चे से कहा- मैं आपको चिट्ठी लिखूंगा। मोदी ने कहा- भाजपा ने वन उपज पर एमएसपी बढ़ाई, श्री अन्न, मोटे अनाज को हम बढ़ावा दे रहे हैं। हमने गुजरात वन बंधु योजना शुरू की। जब इसे शुरू किया था तो महीनों तक अलग-अलग आदिवासी समाज के लोग मेरा अभिवादन करने आते थे। अब इसे जनजातीय योजनाओं के तौर पर और विस्तृत और बड़ा किया जा रहा है। जनजातीय इलाकों में हॉस्पिटल, डिस्पेंसरी, क्लिनिक खोले जा रहे हैं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत स्थानीय भाषा को अहमियत दी जा रहे है। बच्चे अब स्थानीय भाषा में पढ़ सकेंगे। गुजरात के आदिवासियों की पेंटिंग, कलाकृति खास है। **तिरंगे की शान बढ़ाने में आदिवासी बेटी-बेटों का योगदान-** मोदी ने कहा- दुनिया में तिरंगे की शान बढ़ाने में आदिवासी बेटी-बेटों का योगदान है। अब हर बड़ी प्रतियोगिता में आदिवासी खिलाड़ी निकल रहे हैं।

बिहार में हार के बाद खड़गे के घर हुई बड़ी बैठक

- समीक्षा बैठक में राहुल गांधी भी रहे मौजूद,दिए अपने सुझाव

कांग्रेस बोली- चुनाव में गड़बड़ी हुई है,2 हफ्तों में सबूत देंगे

नई दिल्ली (एजेंसी)। बिहार चुनाव में करारी हार के बाद कांग्रेस ने शनिवार को दिल्ली में पहली समीक्षा बैठक बुलाई। यह बैठक पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे के आवास पर हुई, जिसमें राहुल गांधी, केसी वेणुगोपाल और अजय माकन मौजूद रहे। बैठक में नेताओं ने चुनाव नतीजों की समीक्षा की, संगठन की कमियों पर चर्चा की और आगे की रणनीति को लेकर सुझाव दिए। सूत्रों के मुताबिक, पार्टी अब समझने की कोशिश कर रही है कि बिहार में इतनी बड़ी हार क्यों हुई। बैठक के बाद कांग्रेस नेताओं ने भाजपा पर चुनाव में गड़बड़ी करने का आरोप लगाया है। कांग्रेस नेता केसी वेणुगोपाल ने कहा कि पार्टी गड़बडियों के सबूत इकट्ठा कर रही है। 2 हफ्तों में देश के सामने रखेंगे। दरअसल कांग्रेस ने इस चुनाव में 60 सीटों पर उम्मीदवार उतारे, लेकिन सिर्फ 6 सीटें जीत पाई। पार्टी का वोट शेयर 8.71 फीसदी रह गया, जबकि 2020 में 70 सीटों पर 19 सीटें जीती थी।

- **सीएम फेस से सीटों के बंटवारे तक, महागठबंधन फंसता रहा-** महागठबंधन की सीटें 50 तक भी नहीं पहुंची हैं। इसकी बड़ी वजह राजद और कांग्रेस की खराब परफॉर्मेंस है। राहुल और तेजस्वी ने वोटर अधिकार यात्रा से महागठबंधन को एक दिखाने की कोशिश की, लेकिन तेजस्वी को सीएम फेस घोषित करने पर उनमें फूट पड़ गई। बाद में कांग्रेस भी तेजस्वी को सीएम फेस बनाने पर तैयार हो गई, लेकिन तब तक मैसेज चला गया कि राजद और कांग्रेस में मनमुटाव है। इसका असर प्रचार से लेकर टिकट बंटवारे तक दिखा। चुनाव के पहले फेज के लिए नामांकन वापस लेने के आखिरी दिन तक महागठबंधन में तनातनी होती रही। सीट बंटवारे पर राजद और कांग्रेस अड़ी रहीं। इसका नतीजा ये हुआ कि सभी पार्टियों के कैंडिडेट नॉमिनेशन कराते रहे, लेकिन कौन सी पार्टी कितनी सीटों पर लड़ेगी, यह साफ नहीं हुआ। चुनाव की शुरुआत से कांग्रेस और राजद ने एसआईआर, वोट चोरी और नीतिश कुमार की सेहत को मुद्दा बनाया।

2027 में जातीय समीकरण के सहारे उत्तराखंड कांग्रेस

- 2022 में बढ़ा दलित वोट शेयर, इन्हीं पर दांव की तैयारी
- अब संगठन में दूर हुए ब्राह्मण-ठाकुर, कम हुआ दबदबा

देहरादून (एजेंसी)। कांग्रेस ने हाल ही में उत्तराखंड इकाई में बड़े संगठनात्मक बदलाव किए हैं। राजनीतिक विश्लेषकों का मानना है कि कांग्रेस ने 2027 में होने वाले विधानसभा चुनाव के लिए जातीय समीकरण के हिसाब से ये बदलाव किए हैं। एक तरफ कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व के नेता, खासकर नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी दलित, पिछड़ा और अल्पसंख्यक वर्गों को निर्णायक मानते हैं, और खुद को उनका हितैषी बताते हैं। वहीं दूसरी तरफ प्रदेश कांग्रेस ने अपने ताजा जातीय समीकरण में ब्राह्मण-ठाकुर वर्ग को तवज्जो दी है।

मुकेश अंबानी ने श्रीनाथजी मंदिर में विश्व स्तरीय यात्री सेवा सदन निर्माण की घोषणा

- 15 करोड़ के दान के साथ टेका माथा,प्रसिद्ध है मंदिर
- तीर्थयात्रियों के लिए सर्व सुविधायुक्त बनेगा यात्री सेवा सदन

नाथद्वारा (एजेंसी)। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन और एशिया के सबसे धनवान व्यक्ति मुकेश अंबानी की आस्था और दानशीलता एक बार फिर सुर्खियों में है। वैष्णव संप्रदाय की प्रमुख पीठ श्रीनाथजी मंदिर, नाथद्वारा से जुड़ी एक खबर सामने आई है, बताया जा रहा है उन्होंने मंदिर में करोड़ों का दान दिया है।

इसके साथ ही तीर्थयात्रियों की सुविधा के लिए एक बड़ी परियोजना की नींव रखने की भी घोषणा की है। इस परियोजना से नाथद्वारा पहुंचने वाले भक्तों, खासकर वरिष्ठ नागरिकों को काफी लाभ पहुंचेगा, उनकी यात्रा और भी सुविधाजनक बनेगी। अंबानी परिवार की श्रीनाथजी में गहरी आस्था है।

इसी परंपरा को निभाते हुए मुकेश अंबानी ने मंदिर पहुंचकर भोग-आरती के दर्शन किए और पूज्य गुरु विशाल बावा साहेब से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस दौरान उन्होंने अपनी श्रद्धा व्यक्त करते हुए श्रीनाथजी मंदिर को 15 करोड़ रुपए का बड़ा दान दिया। यह दान मंदिर की व्यवस्थाओं, सेवाओं और भक्तों की सुविधाओं को बेहतर बनाने के लिए दिया गया है।

श्रीनाथजी मंदिर, नाथद्वारा

- **50 करोड़ से बनाया जाएगा 100 कमरों का सदन-** मुकेश अंबानी ने इस यात्रा के दौरान नाथद्वारा में विश्व स्तरीय 'यात्री और वरिष्ठ सेवा सदन' निर्माण की घोषणा की। यह परियोजना खासकर वरिष्ठ वैष्णव भक्तों और आम तीर्थयात्रियों को समर्पित होगी, जिन्हें यात्रा के दौरान आरामदायक, सुरक्षित और आवास की जरूरत रहती है। इससे भक्तों के दर्शन करने के अनुभव में बड़ा सुधार आएगा। इस सेवा सदन के निर्माण पर लगभग 50 करोड़ रु की लागत आने का अनुमान है। यह केवल एक धर्मशाला नहीं, बल्कि एक पूरी तरह सेवा से जुड़ा होगा। जानकारी के अनुसार, इसमें 100 से अधिक आधुनिक कमरों का निर्माण किया जाएगा, जिन्हें खास रूप से सीनियर सिटिजंस और तीर्थयात्रियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए डिजाइन किया जाएगा, ताकि उन्हें सुरक्षित, आरामदायक और सुविधाजनक स्टे मिल सके। श्रीनाथजी मंदिर जाना अपने आप में एक अनोखा आध्यात्मिक एक्सपीरियंस है। इसकी सबसे खास बात इसका पूजा करने का तरीका है।

संक्षिप्त समाचार

वैभव सूर्यवंशी ने 32 गेंदों में जड़ा शतक, रोहित शर्मा और डेविड मिलर का तोड़ा रिकॉर्ड

पटना। 14 साल के वैभव सूर्यवंशी ने राइजिंग मेन्स स्टार्स एशिया कप में यूएई के खिलाफ तूफानी शतक जड़ा। उन्होंने 42 गेंदों का सामना करते हुए 144 रन बनाए, जिसमें 15 छक्के और 11 चौके शामिल रहे। वैभव ने 32 गेंदों पर अपना शतक पूरा कर लिया, जिसमें 10 चौके और 9 छक्के शामिल रहे। वह अपनी तूफानी पारी के दौरान सिर्फ 17 गेंदों पर ही फिफ्टी के आंकड़े तक पहुंच गए थे। उन्होंने 32 गेंदों पर शतक ठोककर रोहित शर्मा और डेविड मिलर जैसे खिलाड़ियों को पीछे छोड़ दिया। वैभव सूर्यवंशी ने इस दौरान नमन धीर के साथ मिलकर दूसरे विकेट के लिए 56 गेंदों पर 163 रनों की साझेदारी की। नमन ने 22 बॉल पर 34 रन बनाए। वैभव पहली बार भारतीय टीम की नीली जर्सी पहनकर T20 फॉर्मेट में खेलने उतरे थे। वैभव को मुहम्मद फराजुद्दीन ने अहमद तारिक के हाथों कैच आउट कराया। भारत का पहला मुकाबला संयुक्त अरब अमीरात (UAE) के खिलाफ दोहा के वेस्ट एंड पार्क इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम में खेला जा रहा है। भारत-ए ने टॉस जीतकर बल्लेबाजी का फैसला किया था। 14 नवंबर को भारत ए का पहला मुकाबला यूएई के साथ खेल रहा है। इसके बाद 16 नवंबर को भारत और पाकिस्तान के बीच मुकाबला खेला जाएगा। 18 नवंबर के दिन भारतीय टीम का ओमान से मुकाबला होगा। इसके बाद सेमीफाइनल 21 नवंबर को खेला जाएगा। फिर 23 नवंबर को फाइनल होगा।

भाजपा के संजीव चौरसिया सबसे बड़े अंतर से जीते, पटना के 14 विधानसभा सीटों में से 11 पर एनडीए

पटना। पटना के 14 विधानसभा सीटों का रिजल्ट आ चुका है। 14 में से 11 सीटों पर एनडीए की जीत हुई है, जबकि महागठबंधन मात्र 3 सीटों पर ही जीता है। इनमें सबसे ज्यादा वोट पटना साहिब में बीजेपी के रत्नेश कुमार को 130366 मिले हैं। दानापुर से काउंटिंग की शुरुआत में रीतलाल यादव आगे बढ़ रहे थे, पर बाद में भाजपा की बढ़त होने लगी। पटना जिले की 14 विधानसभा सीटों में से भाजपा ने 7, जदयू ने 3, लोजपा रामविलास ने 1, राजद ने 2 और माले ने 1 सीट पर जीत हासिल की। मतदाताओं ने 4 नए चेहरों पर भरोसा जताया। फतुहा से राजद के रामानंद यादव और फुलवारी से जदयू के श्याम रजक 7वीं बार विधायक बने हैं। रामानंद यादव फतुहा से लगातार तीसरी बार जीते हैं। इससे पहले पटना पश्चिम से 3 बार निर्दलीय जीते थे। फिर राजद के टिकट पर दानापुर से भी जीते। राजद के भाई वीरेंद्र 5वीं बार विधायक बने हैं। भाजपा ने अपनी सभी 7 सीटें जीतकर सबसे बेहतर स्ट्राइक रेट हासिल किया। जदयू के अरुण मांझी तीसरी बार जीते हैं। अरुण फुलवारी और फतुहा से भी विधायक रह चुके हैं। इस बार मसौढ़ी से जीत हासिल की। इस बार महिला प्रत्याशियों को किसी भी सीट पर जगह नहीं मिली है। दीघा से भाजपा के संजीव चौरसिया ने जिले में सबसे बड़े अंतर से जीत हासिल की। चौरसिया को 111001 वोट और उनकी प्रतिद्वंद्वी भाकपा माले की उम्मीदवार दिव्या गौतम को 51,922 वोट मिले। चौरसिया 59079 वोट के अंतर से जीते। वहीं, एनडीए की बढ़त पटना के ज्यादातर सीटों पर शुरुआत से ही बना रहा। जिसे देखकर भाजपा-बीजेपी के कार्यकर्ताओं ने साथ मिलकर खूब जश्न मनाया। आतिशबाजी भी हुई।

प्रेस दिवस के अवसर पर सोनपुर मेला में परिचर्चा का होगा आयोजन

सारण। राष्ट्रीय प्रेस दिवस के अवसर पर रविवार (16 नवंबर) को सारण जिले के सोनपुर अनुमंडल स्थित विश्व प्रसिद्ध हरिहर क्षेत्र सोनपुर मेला के मीडिया सेंटर में एक महत्वपूर्ण परिचर्चा का आयोजन किया जाएगा। इस आशय की जानकारी सूचना जनसंपर्क पदाधिकारी रवीन्द्र कुमार ने दी। उन्होंने बताया कि "बढ़ती गलत सूचना के बीच प्रेस की विश्वसनीयता को बनाए रखना" विषयक परिचर्चा का आयोजन होगा। सूचना जनसंपर्क पदाधिकारी रवीन्द्र कुमार ने कहा कि सोनपुर मेला जैसे ऐतिहासिक और लोक-व्यापक स्थल पर इस तरह की परिचर्चा आयोजित करना इसलिए भी महत्वपूर्ण है ताकि पत्रकारिता की चुनौतियों पर व्यापक मंथन हो सके. यह परिचर्चा पत्रकारिता क्षेत्र के स्थानीय पत्रकारों, और संचार विशेषज्ञों को एक मंच पर लाएगी। इस कार्यक्रम में सारण ज़िले के प्रशासनिक अधिकारी, मीडिया जगत के प्रतिनिधि और विभिन्न समाचार पत्रों तथा इलेक्ट्रॉनिक मीडिया के पत्रकार शामिल होंगे। उन्होंने सभी पत्रकारों और मीडियाकर्मियों से इस महत्वपूर्ण परिचर्चा में शामिल होने की अपील की है, ताकि सामूहिक प्रयासों से इस परिचर्चा को सफल बनाया जा सके।

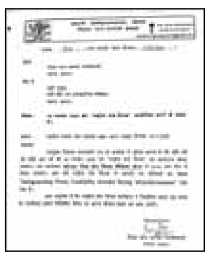

बाल देखरेख संस्थान मे 14 से 19 नवंबर तक बाल अधिकार सप्ताह का आयोजन

सहरसा। बिहार बाल अधिकार संरक्षण आयोग के पहल पर बिहार के सभी बाल देखरेख संस्थान में 14 से 19 नवंबर तक बाल अधिकार सप्ताह का आयोजन किया जा रहा है। इसी क्रम में सुरक्षित स्थान सहरसा में बाल दिवस पर एक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर किशोर न्याय परिषद सहरसा के प्रधान दंडाधिकारी मनोज कुमार ने बाल अधिकार विषय पर आवासित किशोरों को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि बाल श्रम एक गंभीर सामाजिक समस्या है। जो देश की आर्थिक और सांस्कृतिक संरचना में गहराई से जड़ें जमाए हुए है। गरीबी बाल श्रम का मुख्य कारण है। जब परिवार को भरण-पोषण में संघर्ष करना पड़ता है तो माता-पिता बच्चों को काम पर भेजने को विवश हो जाते हैं। इसके अलावा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कमी, सामाजिक मान्यताएं और परंपरागत सोच भी बाल श्रम को बढ़ावा देती हैं। भारतीय संविधान ने बाल श्रम के विरुद्ध कठोर प्रावधान किए हैं। संविधान का अनुच्छेद 23 किसी भी प्रकार के जबरदस्ती श्रम को प्रतिबंधित करता है।इस स्थिति मे अनुच्छेद 24 स्पष्ट करता है कि 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों को खतरनाक कार्यों में नियुक्त नहीं किया जा सकता। साथ ही उन्होंने किशोर न्याय अधिनियम पर भी चर्चा की और कहा कि दंड बच्चों की कोमल भावनाओं और विचारों को कुचल देती है और उन्हें सदा के लिए अयोग्य और निष्क्रिय बना देता है। इसका अर्थ यह नहीं है कि बच्चों को सजा या दंड नहीं देना चाहिए। दंड देना एक महत्वपूर्ण मनोवैज्ञानिक तथ्य है।किशोर के जीवन में दंड उसके हित में ही दिया जाता है।दंड विधान सें जीवन मे अनुशासन व देशप्रेम की सीख मिलती है।वह अपने नागरिक कर्तव्य का बखूबी निर्वहन कर समरस सामाज के सहभागी बनता है। मौके पर संस्थान से जुड़े सभी कर्मी एवं आवासित किशोर उपस्थित थे। मनोज कुमार ने बाल अधिकार विषय पर आवासित किशोरों को जागरूक किया। उन्होंने कहा कि बाल श्रम एक गंभीर सामाजिक समस्या है। जो देश की आर्थिक और सांस्कृतिक संरचना में गहराई से जड़ें जमाए हुए है। गरीबी बाल श्रम का मुख्य कारण है। जब परिवार को भरण-पोषण में संघर्ष करना पड़ता है।तो माता-पिता बच्चों को काम पर भेजने को विवश हो जाते हैं। इसके अलावा, गुणवत्तापूर्ण शिक्षा की कमी, सामाजिक मान्यताएं और परंपरागत सोच भी बाल श्रम को बढ़ावा देती हैं। भारतीय संविधान ने बाल श्रम के विरुद्ध कठोर प्रावधान किए हैं। संविधान का अनुच्छेद 23 किसी भी प्रकार के जबरदस्ती श्रम को प्रतिबंधित करता है।

जन सुराज बोली, 40 हजार करोड़ में वोट खरीदे गए

राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय का दावा, राजद की वापसी के डर में एनडीए को शिफ्ट हुए वोट

एजेंसी, पटना

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 के नतीजों के बाद जन सुराज ने शनिवार को शेखपुरा हाउस में पीसी की। राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह और प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती ने पार्टी के कमजोर प्रदर्शन, एनडीए की जीत, भविष्य की रणनीति पर जानकारी दी। उदय सिंह ने कहा कि वोट उम्मीद से कम मिले, पर इससे मनोबल नहीं टूटा। उन्होंने दावा किया कि अंतिम दौर में वोटरों के मन में यह डर बैठ गया कि अगर जन सुराज को ज्यादा वोट गया तो कहीं राजद फिर से सत्ता में न लौट आए, इसलिए बड़ी संख्या में वोट NDA की ओर शिफ्ट हो गए।

उदय सिंह ने बिहार सरकार पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि एनडीए को मिला प्रचंड बहुमत जनता के पैसों से खरीदा गया है। बिहार सरकार ने करीब 40 हजार करोड़ रुपए खर्च कर वोट खरीदे। इनमें 14 हजार करोड़ रुपए वर्ल्ड बैंक से लिए गए लोन में से खर्च किए गए। अब राज्य के पास शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार जैसे बुनियादी क्षेत्रों पर खर्च करने के लिए पैसे नहीं बचे। उन्होंने कहा कि देश में पहले भी पैसे से चुनाव प्रभावित करने की कोशिशें होती रही हैं, लेकिन पहली बार किसी राज्य सरकार ने लोकतंत्र में इस तरह पैसे की बाढ़ ला दी।

बिहार की जनता हमें एक मजबूत विपक्ष की तरह देखेगी: उदय सिंह ने NDA को जीत की बधाई देते हुए कहा कि जनता ने जिस उम्मीद के साथ मतदान किया है, अब एक साफ-सुथरी और पारदर्शी सरकार देनी चाहिए। कहा कि हमारी मांग है कि नई कैबिनेट में दागी चेहरों को जगह न मिले। जिन मुद्दों पर हम बात करते रहे, उन्हीं मुद्दों पर प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री ने भी चर्चा की है। अब देखना यह है कि उन वादों पर कितना काम होता है। भले ही जन सुराज को इस बार विधानसभा में प्रवेश नहीं मिला, लेकिन उनकी पार्टी की भूमिका खत्म नहीं होती। उन्होंने कहा कि जन सुराज की स्थापना परिवर्तन के उद्देश्य से हुई थी। हम उसी दृढ़ता के साथ काम करते रहेंगे। महागठबंधन को जब मौका था, तब भी उसने विपक्ष की जिम्मेदारी ढंग से नहीं निभाई। अब बिहार की जनता हमें एक मजबूत विपक्ष की तरह देखेगी।

कैश ट्रांसफर के जरिए वोट जुटाने शुरू कर दिए: उदय सिंह से जब पूछा गया कि प्रशांत किशोर ने जदयू को 25 सीटों से कम मिलने की बात क्यों कही थी, तब उन्होंने कहा कि उस समय परिस्थितियां अलग थीं। बाद में सरकार ने खजाना खोल दिया और कैश ट्रांसफर के जरिए वोट जुटाने शुरू कर दिए, जिससे पूरा चुनावी समीकरण बदल गया।

प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती बोले, 'हम फिर वापसी करेंगे': प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती ने कहा कि परिणाम चाहे जैसे हों, आंदोलन और संगठन की ऊर्जा कम नहीं होगी। हम जन सुराज को और मजबूत करेंगे। हर कार्यकर्ता से फिर मिलेंगे, उन्हें प्रेरित करेंगे और संगठन को नई गति देंगे। यह सिर्फ शुरुआत है।

लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने राजद छोड़ी, लगाए गंभीर आरोप

एजेंसी, पटना

बिहार की राजनीतिक ने शनिवार उस समय नया मोड़ ले लिया, जब राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के अध्यक्ष लालू यादव की बेटी रोहिणी आचार्य ने घोषणा की कि वह राजनीति और अपने परिवार दोनों से दूर जा रही हैं। उनकी यह घोषणा बिहार विधानसभा चुनावों में राजद की करारी हार के तुरंत बाद आई है, जिससे आंतरिक असंतोष गहरा गया है और लंबे समय से चली आ रही गुटीय तनाव फिर से उभर आया है।

रोहिणी, जो अक्सर लालू की सबसे मुखर समर्थकों में से एक रही हैं, ने सार्वजनिक रूप से तेजस्वी यादव के करीबी सहयोगियों (संजय यादव) पर पार्टी के पतन का कारण बनने का आरोप लगाया है। उनके इस कदम ने राजद में खलबली मचा दी है, जिससे नेतृत्व की विफलताओं और आंतरिक कुप्रबंधन पर तीखी बहस छिड़ गई है।

रोहणी ने सोशल मीडिया एक्स पर लिखा कि "मैं राजनीति छोड़ रही हूं और अपने परिवार से दूरी बना रही हूं.. संजय यादव और रमीज़ ने मुझे ऐसा करने के लिए कहा था और मैं इसका दोष अपने ऊपर ले रही हूं।"

रोहिणी के इस संदेश ने राजनीतिक तूफ़ान खड़ा कर दिया और यादव परिवार में बढ़ती दरार की अटकलों के बीच राजद के वरिष्ठ नेता इस कहानी को दबाने की कोशिश में जुट गए। हालांकि, रोहिणी ने सीधे तौर पर तेजस्वी का नाम लेने से परहेज किया, लेकिन "करीबी सलाहकारों" का उनका जिक्र व्यापक रूप से तेजस्वी के लंबे समय से राजनीतिक रणनीतिकार रहे संजय यादव पर आरोप लगाने के रूप में देखा गया।

राजद के सूत्रों का कहना है कि चुनाव नतीजों के बाद से तेजस्वी के करीबी लोगों के खिलाफ गुस्सा बढ़ता जा रहा है। कई लोगों का कहना है कि रोहिणी का यह गुस्सा परिवार के भीतर बढ़ती हताशा का अब तक का सबसे सार्वजनिक संकेत है। बिहार विधानसभा चुनाव-2025 हाल के वर्षों में उसके सबसे खराब प्रदर्शनों में से एक रहा है, जिसके बाद से आरोप-प्रत्यारोप का दौर शुरू हो गया है।

बिहार चुनाव में नहीं चला बसपा का जादू, मिली सिर्फ एक सीट

एजेंसी, पटना

बिहार विधानसभा चुनाव के नतीजे बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के लिये खुशी की खबर नहीं लाये। संतोष की बात यह है कि बसपा ने बिहार में लगातार दूसरे चुनाव में खाता खोला है। इस जीत के साथ ही बसपा के लिए बिहार और उत्तर प्रदेश बराबर हो गए हैं।

यूपी में बसपा का एक विधायक है और अब बिहार में भी पार्टी का एक विधायक बन गया है। हालांकि, बसपा का जादू बिहार में बिल्कुल भी नहीं चला। पार्टी के नेशनल कोऑर्डिनेटर आकाश आनंद उम्मीदों पर खरे नहीं उतर पाये। मायावती ने अपने सोशल इंजीनियरिंग फार्मूले के तहत बिहार की 192 सीट पर उम्मीदवार उतारे थे, लेकिन ये बसपा के काम नहीं आया। इस बार पिछले विधानसभा चुनाव की तुलना में पार्टी का मत प्रतिशत 0.25 फीसद कम रहा है। बसपा को अपने कई उम्मीदवारों के जीतने की उम्मीद थी, लेकिन एक ही चुनाव जीतने में सफल हो पाया। फिर भी पार्टी के लिए कहीं न कहीं यह राहत की ही खबर है। क्योंकि, तमाम राज्यों में चुनाव लड़कर पार्टी को लगातार हार ही नसीब हो रही थी। बसपा के रामगढ़ प्रत्याशी सतीश कुमार सिंह यादव अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अशोक कुमार सिंह से जीतने में सफल हुए हैं। हालांकि, यह जीत सिर्फ 30 वोटों से ही रही है, जो बिहार में सबसे कम वोटों से हुई दूसरी जीत है। सतीश कुमार सिंह यादव को 72689 वोट मिले, जबकि भाजपा के अशोक कुमार सिंह को 7,2659 मत प्राप्त हुए।

चुनाव में हार के बाद कांग्रेस की बड़ी बैठक खड़गे के आवास पर राहुल गांधी की मीटिंग

एजेंसी, पटना

बिहार चुनाव में महागठबंधन की करारी हार हुई है। कांग्रेस मात्र 6 सीट ही जीत पाई। हार के बाद पटना से दिल्ली तक हलचल है। कांग्रेस ने एक बड़ी बैठक बुलाई। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के घर पर एक बड़ी बैठक हो रही है। बैठक में खुद नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी मौजूद हैं। उनके साथ में महासचिव केसी वेणुगोपाल शामिल हैं।

सूत्रों के मुताबिक बिहार चुनाव के नतीजों पर मंथन के लिए कांग्रेस पार्टी ने यह बैठक बुलायी है। इस बैठक में चुनाव परिणामों की समीक्षा, संगठनात्मक कमजोरियों पर चर्चा और आगे की रणनीति तय करने पर विचार किया जा रहा है। पार्टी बिहार में मिली हार के कारणों को समझने की कोशिश करेगी।

कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष भी हारे चुनाव: पिछली बार चुनाव में कांग्रेस 19 सीटें जीतने में सफल रही थी। इस बार बिहार कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष राजेश कुमार कुटुम्बा सीट से हार गए। वहीं, निवर्तमान विधानसभा में विधायक दल के नेता शकील अहमद खान को कदवा सीट पर जदयू उम्मीदवार दुलाल चंद्र गोस्वामी ने 18,368 मतों के अंतर से हराया। बिहार चुनाव के परिणाम आने के बाद राहुल गांधी ने अपने सोशल मीडिया X पर लिखा, मैं बिहार के उन करोड़ों मतदाताओं का हार्दिक आभार व्यक्त करता हूं, जिन्होंने महागठबंधन पर अपना विश्वास जताया।

बिहार का यह परिणाम चौंकाने वाला है। हम एक ऐसे चुनाव में जीत हासिल नहीं कर सके, जो शुरू से ही निष्पक्ष नहीं था। यह लड़ाई संविधान और लोकतंत्र की रक्षा की है। कांग्रेस पार्टी और INDIA गठबंधन इस परिणाम की गहराई से समीक्षा करेंगे और लोकतंत्र को बचाने के अपने प्रयासों को और अधिक प्रभावी बनाएंगे।

बिहार में इन सीटों पर कांग्रेस की जीत

- वाल्मीकिनगर सीट से सुरेन्द्र प्रसाद ने जीत की दर्ज।
- चनपटिया विधानसभा क्षेत्र से अभिषेक रंजन विजयी रहे।
- फारबिसगंज सीट पर मनोज विश्वास ने अपना परचम लहराया है।
- अररिया विधानसभा क्षेत्र से आबिदुर रहमान ने प्रभावी जीत दर्ज की है।
- किशनगंज सीट से मोहम्मद कमरूल होदा जीते।
- मनिहारी सीट से मनोहर प्रसाद सिंह ने जीत हासिल की है।

बिहार है, खैनी के साथ चूना भी रगड़ दिया जाता, चुनाव में वायरल हो रहे मीम्स

यूजर्स बोले-नीतीश राजनीति के धोनी, पीके ने जीरो की खोज की

एजेंसी, पटना

बिहार विधानसभा का चुनाव NDA ने भारी बहुमत से जीत लिया है। इस चुनाव में सबसे ज्यादा सीट हासिल कर BJP बड़ा भाई बनकर उभरी है। दूसरे नंबर पर जदयू है। राजद को 25 सीटें ही मिली, जबकि प्रशांत किशोर अपना खाता भी नहीं खोल पाए। बिहार चुनाव के नतीजे आने के बाद सोशल मीडिया पर मीम्स की बाढ़ आ गई है। ऐसा ही एक मीम पंचायत सीजन 4 के जीत वाला सेलिब्रेशन जमकर वायरल हो रहा है। इसमें राहुल गांधी खुद तेजस्वी को हार की जानकारी दे रहे हैं।

3 इडियट्स फिल्म का सीन हो रहा वायरल: महागठबंधन के हार के बीच 3 इडियट्स फिल्म का एक सीन वायरल हो रहा है। इसमें राहुल गांधी के सामने लालू यादव तेजस्वी को बख्शने के लिए के लिए हाथ जोड़ रहे हैं। वह कहते हैं, 'हाथ जोड़कर गुजारिश है आपसे, दूर रहिए मेरे बेटे से।'

राहुल गांधी सोच में पड़ गए: वोट चोरी का नारा देने के बावजूद महागठबंधन को करारी हार मिली है। वहीं, कांग्रेस 6 सीटों पर ही सिमट गई है। उन्होंने विपक्ष को वोट चोर कहा था मगर इससे भी बात नहीं बनी। अब राहुल गांधी इस सोच में पड़ गए हैं कि 'अब क्या करूं, जनता को ही कर बोल दूं?'

ये बिहार है, यहां खैनी के साथ चूना भी रगड़ दिया जाता है: NDA की बंपर जीत के बाद सोशल मीडिया पर एक मीम सामने आया है, जिसमें खैनी के रूप में तेजस्वी को रगड़ते हुए दिखाया जा रहा है। उसके साथ डायलॉग है, 'ये बिहार है, यहां खैनी के साथ चूना भी रगड़ दिया जाता है।'

नीतीश कुमार राजनीति के धोनी: नीतीश कुमार की सरकार बनने पर सोशल मीडिया पर लोग नीतीश की तुलना धोनी से कर रहे हैं। लोग मीम्स बनाकर कह रहे हैं कि नीतीश कुमार राजनीति के धोनी हैं। सभी लोग आपस में लड़ते हैं और अंत में जाकर फाइनल में नीतीश से ही मुकाबला होता है और करारी हार मिलती है।

हाथ जोड़ते हुए नीतीश ने कहा- सीएम हम ही रहेंगे: NDA की बड़ी जीत के बाद यह कयास लगाया जा रहा है कि बीजेपी, नीतीश कुमार को मुख्यमंत्री नहीं बनाएगी। इस बीच एक मीम वायरल हो रहा है, जिसमें हाथ जोड़ते हुए नीतीश कुमार कह रहे हैं कि 'सीएम तो हम ही रहेंगे लाडले, बस किस साइड से रहेंगे, वह डिसाइड करना होता है।'

नीतीश कुमार से मिलने पहुंचे रामकृपाल यादव

डिप्टी सीएम बनने के सवाल पर कहा- पार्टी नेतृत्व तय करेगी, मुझे कुछ नहीं मालूम

एजेंसी, पटना

बिहार विधानसभा चुनाव में NDA को प्रचंड बहुमत मिलने के बाद पटना में राजनीतिक हलचल तेज हो गई है। मुख्यमंत्री आवास में शनिवार की सुबह से ही नेताओं का आना-जाना जारी है। सबसे पहले विजय कुमार चौधरी CM हाउस पहुंचे। दानापुर से जीत हासिल करने वाले रामकृपाल यादव नीतीश कुमार से मिलने पहुंचे। इस दौरान डिप्टी CM बनने के सवाल पर कहा- पार्टी नेतृत्व तय करेगी, मुझे कुछ मालूम नहीं है। वहीं, लोजपा(आर) चिराग पासवान और JDU के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा भी CM हाउस पहुंचे। संजय झा अपने हाथों में जीते हुए कैंडिडेट की लिस्ट ले कर पहुंचे थे। इसी दौरान फुलवारी से नवनिर्वाचित विधायक श्याम रजक भी मुख्यमंत्री आवास पहुंचे। JDU ने अपने सभी विधायकों को पटना बुलाया है। कल विधायक दल की बैठक हो सकती है।

CM फेस पर 2 बयान: JDU- श्याम रजक ने स्पष्ट कहा कि बिहार में नेतृत्व का एक ही भरोसेमंद चेहरा है, मुख्यमंत्री नीतीश कुमार। बिहार में दूसरा कोई चेहरा नहीं है, नीतीश कुमार ही विकल्प हैं। शपथ ग्रहण कब होगा इस पर श्याम रजक ने कहा कि यह मुख्यमंत्री जी तय करेंगे। नीतीश कुमार ही मुख्यमंत्री चेहरा है उनके अलावा कुछ सोचा भी नहीं जा सकता है। BJP- विनोद तावड़े ने कहा था सभी पार्टी एक साथ बैठकर तय करेंगे की CM कौन होगा।

अब तक ये नेता CM हाउस पहुंचे: चिराग पासवान, विजय चौधरी, सुनील कुमार, मनीष वर्मा, अरुण मांझी, इंजीनियर शैलेन्द्र, जेडीयू प्रदेश अध्यक्ष उमेश कुशवाहा, कृष्ण कुमार मंटू, ललन सिंह, जेडीयू के राष्ट्रीय कार्यकारी अध्यक्ष संजय झा श्याम रजक, नितिन नवीन।

चिराग बोले, राजद का पतन 2005 में हो गया था

एजेंसी, पटना

पार्टी कार्यालय में एलजेपी (रामविलास) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने अपने नवनिर्वाचित विधायकों के साथ प्रेस वार्ता बुलाई है। जिस दौरान उन्होंने पार्टी की वर्तमान स्थिति, चुनाव परिणाम, एनडीए की जीत और विपक्ष की हार पर विस्तार से अपनी बात रखी। चिराग पासवान ने आरजेडी की हार पर कहा कि आरजेडी का पतन आज का नहीं है, बल्कि इसकी शुरुआत 2005 में ही हो गया था। आरजेडी का अहंकार ही उनके पतन का कारण बना। मैंने पहले ही कहा था कि उनका पतन होगा। मुख्यमंत्री उनके साथ गए, तो उन्हें थोड़ा लाभ मिला, लेकिन अब तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी है। चिराग ने दावा किया कि इस चुनाव में विपक्ष की बुरी तरह हार हुई है और आरजेडी का "MY समीकरण" भी पूरी तरह ध्वस्त हो गया है। जनता ने एनडीए के नेतृत्व, नीतियों और कामकाज पर भरोसा जताया है, जिसका परिणाम आज स्पष्ट दिख रहा है।

मैंने पिता से मिली सीख के साथ संघर्ष शुरू किया: चिराग पासवान ने कहा कि एक समय ऐसा था जब लोग एलजेपी (रामविलास) के अस्तित्व पर सवाल उठा रहे थे, लेकिन आज उनकी पार्टी ने मेहनत और जनसमर्थन के दम पर वह मुकाम हासिल किया है, जो उनके पिता स्वर्गीय रामविलास पासवान का सपना था। 2020 में मैंने पिता से मिली सीख के साथ संघर्ष शुरू किया। 2024 में एनडीए गठबंधन में शामिल हुआ और पांच सांसद जीते। 2025 में तो स्थिति यह थी कि शून्य विधायक वाली पार्टी को 29 सीटें मिलीं। यह अपने आप में बड़ी उपलब्धि है। उन्होंने आगे बताया कि पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष राजू तिवारी अपने पद पर बने रहेंगे। चिराग पासवान ने नव निर्वाचित विधायकों के साथ बैठक कर आगे की रणनीति भी तय की। मुख्यमंत्री से मुलाकात कर एनडीए की जीत पर बधाई दी गई है। मुझे ऐसी सीट मिली थी जहां अच्छा प्रतिशत हासिल करना बड़ी चुनौती थी, लेकिन मैंने हमेशा अपनी मेहनत और जनता के भरोसे पर चुनाव लड़ा।

मुख्यमंत्री उनके साथ गए तो थोड़ा लाभ मिला, अब तस्वीर पूरी तरह बदल चुकी

5 साल बिहार के लिए स्वर्णिम साल साबित होंगे: चिराग पासवान ने कहा कि उनका "MY समीकरण" जिसका अर्थ महिला और युवा है को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भी आगे बढ़ाने का काम किया। उन्होंने दावा किया कि आने वाले 5 साल बिहार के लिए "स्वर्णिम साल" साबित होंगे। चिराग ने प्रधानमंत्री मोदी को बिहार में बड़े पैमाने पर प्रचार करने और कई योजनाओं को राज्य तक पहुंचाने के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रशंसा करते हुए कहा कि उन पर स्वास्थ्य को लेकर कई सवाल उठाए गए, लेकिन खराब मौसम और विपरीत परिस्थितियों के बावजूद वे लगातार सड़कों पर घूमते रहे और प्रचार करते रहे, जब कई नेता आराम कर रहे थे। चिराग पासवान ने अपने और जीतन राम मांझी के संबंधों पर लगने वाली बातों को खारिज करते हुए कहा कि मांझी उनके बड़े हैं और वे उन्हें अभिभावक की तरह सम्मान देते हैं। उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें अधिकांशतः वे सीटें मिलीं जहां एनडीए लगातार हार रहा था, लेकिन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने उन पर विश्वास जताया था कि वे इन चुनौतियों के बावजूद जीतकर आएंगे और वे इस भरोसे पर खरे उतरे।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय जल पुरस्कार समारोह में उप विकास आयुक्त होंगे सम्मानित

बीएनएम @ मोतिहारी। जल शक्ति मंत्रालय, भारत सरकार के राष्ट्रीय जल मिशन (National Water Mission) द्वारा जारी सूचना के अनुसार, जल संचय जन भागीदारी (JSJB) 1.0 के अंतर्गत उत्कृष्ट कार्य करने वाले पुरस्कार विजेता जिलों को राष्ट्रीय जल पुरस्कार समारोह में आमंत्रित किया गया है। इस वर्ष JSJB 1.0 अवार्ड के लिए जिलों/राज्यों को उनके उत्कृष्ट प्रदर्शन एवं जल संरक्षण के प्रति उल्लेखनीय योगदान हेतु सम्मानित किया जा रहा है। यह पुरस्कार समारोह 18 नवम्बर 2025 को प्रातः 10:00 बजे विज्ञान भवन, नई दिल्ली में आयोजित होगा। कार्यक्रम में विजेता जिलों को यह सम्मान जल शक्ति मंत्री द्वारा दिया जाएगा। राष्ट्रीय जल मिशन ने सभी विजेताओं से कार्यक्रम में सम्मिलित होने का आग्रह किया है, ताकि देश को जल-सुरक्षित भविष्य की दिशा में किए गए उनके मूल्यवान योगदान का सम्मान किया जा सके। जिले के प्रतिनिधि के तौर पर जिले का यह सम्मान जिला पदाधिकारी एवं उप विकास आयुक्त ग्रहण करेंगे।

गुप्त सूचना पर कार्रवाई: अवैध हथियार के साथ एक गिरफ्तार, एक फरार

बीएनएम @ फेनहरा। पुलिस ने गुप्त सूचना के आधार पर की गई त्वरित कार्रवाई में शुक्रवार को एक युवक को दो देशी कट्टा और आठ जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया। गिरफ्तार युवक की पहचान मधुरेन्द्र सिंह उर्फ फुनु सिंह, निवासी इब्राहीमपुर परसौनी, थाना फेनहरा के रूप में हुई है। पुलिस के मुताबिक, मधुरेन्द्र सिंह के अवैध हथियार लेकर किसी जघन्य वारदात को अंजाम देने की फिराक में होने की सूचना मिली थी। अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी पकड़ीदयाल के नेतृत्व में टीम गठित की गई और गैबंधी गांव में बलेश्वर पटेल के घर के आसपास छापेमारी की गई। इसी दौरान आरोपित मधुरेन्द्र सिंह के पास से दो देशी कट्टा, आठ कारतूस और एक लावा कंपनी का कीपैड मोबाइल बरामद किया गया। पूछताछ में गिरफ्तार युवक ने बताया कि हथियार उसने गांव के ही सुमित कुमार उर्फ छोटू, पिता रंजीत सिंह से लिया था। सुमित कुमार फिलहाल फरार है, जिसकी तलाश जारी है। मामले में फेनहरा थाना कांड संख्या 259/25 दर्ज कर आगे की कार्रवाई की जा रही है। छापेमारी दल में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी चंदन कुमार, सह थानाध्यक्ष नीलम कुमारी, अवर निरीक्षक अभिषेक कुमार पासवान, पीटीसी पिंटू कुमार सहित सशस्त्र बल के जवान शामिल थे।

दामोदर रावत बने छठी बार विधायक

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार

बीएनएम @ जमुई/झाझा -झाझा विधानसभा क्षेत्र में जदयू उम्मीदवार दामोदर रावत ने अपने निकटतम राजद उम्मीदवार जयप्रकाश नारायण यादव को 4262 मतो से पराजित कर छठी बार क्षेत्र का विधायक बना। जीत के बाद शनिवार को दामोदर रावत ने झाझा के बड़ी दुर्गामंदिर पहुंचकर माता दुर्गा के दरबार मे अपनी हाजरी लगाते हुए उनका आशीर्वाद लिया जहां मंदिर कमेटी के संयोजक प्रभाष बंका ने चुनरी ओढ़ाकर उन्हें सम्मानित किया। इधर दामोदर रावत ने बताया कि जनता का जो अटूट विश्वास बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार और देश के पीएम नरेंद्र मोदी पर बनाए हुए उसका ही प्रभाव है कि बिहार में एनडीए काफी मजबूत स्थिति में है। उन्होंने कहा कि क्षेत्र की जनता ने जो विश्वास सीएम और पीएम पर रखते हुए इस क्षेत्र के विकास के लिए पुनः चुनकर जिम्मेवारी दी है उस विश्वास को कभी भी टूटने नहीं देंगे और क्षेत्र का सर्वांगीण विकास करते रहूंगा। मौके पर जदयू नेता शैलेन्द्र रावत सहित बड़ी संख्या में एनडीए कार्यकर्ता भी मौजूद थे।

70 लीटर महुआ शराब के साथ बाइक जब्त, तस्कर फरार

बीएनएम @ जमुई/बरहट। मलयपुर थाना क्षेत्र के पतौना मुसहरी स्थित पानी टंकी के पास से पुलिस ने लगभग 70 लीटर देसी महुआ शराब के साथ एक बाइक जप्त की है। कार्रवाई के दौरान पुलिस को देखते ही शराब तस्कर बाइक छोड़कर फरार होने में सफल रहे। जब्त बाइक और शराब को पुलिस अभिरक्षा में थाना लाया गया है।पुलिस सूत्रों के अनुसार, मलयपुर थानाध्यक्ष को गुप्त सूचना मिली थी कि पतौना मुसहरी इलाके में शराब की एक बड़ी खेप पहुंचाई जा रही है। सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष ने टीम के साथ मौके पर पहुंचकर घेराबंदी की, लेकिन पुलिस की भनक लगते ही तस्कर अंधेरे का फायदा उठाकर भाग निकला।इस संबंध में मलयपुर थानाध्यक्ष विकास कुमार ने बताया कि जब्त बाइक के रजिस्ट्रेशन नंबर के आधार पर तस्कर की पहचान की जा रही है। उन्होंने कहा कि इस मामले में प्राथमिकी दर्ज कर आगे की कार्रवाई शुरू की जाएगी। साथ ही उन्होंने स्पष्ट किया कि शराब तस्करों के खिलाफ पुलिस की कार्रवाई लगातार जारी रहेगी।

बोरिंग का किसानों को नहीं मिल रहा लाभ, खंडहर में बदला पंप घर

बीएनएम @ जमुई / झाझा प्रखंड क्षेत्र के हथिया पचायत अंतर्गत भलगोरी गांव स्थित नदी किनारे बने स्टेट बोरिंग कई सालों से खंडहर अवस्था में पड़ा हुआ है। पंप घर अपनी बदहाली पर आंसू बहा रहा है। किसानों को सिंचाई सुविधा के लिए सरकार के द्वारा लगाए गए स्टेट बोरिंग का लाभ किसानों को नहीं मिल रहा है। किसानों को सिंचाई करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा है। पंप घर सिर्फ शोभा की वस्तु बनकर रह चुका है अंदर ना मोटर है ना बिजली का बोर्ड व तार।मकान में लगे खिड़की व दरवाजा भी गायब है। मजबूरन किसानों को खेती में सिंचाई के लिए महंगे डीजल खरीद कर पटबन करना पड़ रहा है। जिससे किसानों को खेती में लागत बढ़ जाती है।स्टेट बोरिंग बंद रहने से भलगोरी, हथिया, अंबा गांव के किसानों को पटवन करने में परेशानी हो रही है।शिकायत के बाद भी नहीं होती कारवाई: खंडहर अवस्था में पड़े स्टेट बोरिंग को पुनः जीवित करने को लेकर कई वर्ष पहले ग्रामीणों व किसानों ने प्रखंड प्रशासन से लेकर जिला के सिंचाई से संबंधित अधिकारियों से भी शिकायत की इसके बावजूद भी इस दिशा में सिंचाई विभाग उदासीन बने हुए हैं। क्षेत्र के किसान हताश व निराश है। क्षेत्र में लगभग 10 वर्षों से खंडहर अवस्था में रानी के कारण सिंचाई में काफी परेशानी हो रही है।किसान बरुन सिंह,अरविंद यादव,आजाद कुमार,धीरज कुमार,विजय यादव सहित अन्य ने बताया की अभी फसल का सीजन हैं। मक्का, धान,सरसो की खेती में सिंचाई की अहम भूमिका होती है। ऐसे में जब सरकारी नलकूप चालू अवस्था में था तो महज 200 से 400 रुपए में एक एकड़ में सिंचाई हो जाया करता था। लेकिन वर्तमान में पंपसेट से महंगे डीजल खरीद कर पटवन करना काफी महंगा साबित हो रहा है।

आदिवासी समाजों ने भारतीय सभ्यता की मूल भावना को आज भी जीवित रखा है-प्रो. संजय श्रीवास्तव

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में जनजातीय गौरव दिवस पर शैक्षणिक विमर्श का कार्यक्रम आयोजित

बीएनएम @ मोतिहारी

महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय में भगवान बिरसा मुंडा की जयंती के उपलक्ष्य में जनजातीय गौरव दिवस का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य जनजातीय नायकों के योगदान को स्मरण करना तथा उनके सामाजिक-सांस्कृतिक विचारों को समकालीन संदर्भों में समझना था। कार्यक्रम की अध्यक्षता कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने की, जिन्होंने वर्चुअल माध्यम से अपने विचार साझा किए। कार्यक्रम में गांधी परिसर के निदेशक एवं चीफ प्रॉक्टर प्रो. प्रसून दत्त सिंह, स्कूल ऑफ सोशल साइंसेज़ के डीन प्रो. सुजीत कुमार चौधरी, समाजशास्त्र विभाग की सहायक आचार्या डॉ. स्वेता, हिंदी विभाग की डॉ. गरिमा तिवारी और डॉ. अल्पिका त्रिपाठी की महत्वपूर्ण भूमिका थी। कार्यक्रम में विशेष आमंत्रित अतिथि के रूप में इंदिरा गांधी राष्ट्रीय जनजातीय विश्वविद्यालय, अमरकंटक (म.प्र.) के अर्थशास्त्र विभाग की विभागाध्यक्ष प्रो. रक्षादेवी सिंह तथा सिदो-कान्हू-बिरसा विश्वविद्यालय, पुरुलिया (प.ब.) के डॉ. सुदीप भुई, एसोसिएट प्रोफेसर, मानवशास्त्र एवं जनजातीय अध्ययन विभाग शामिल थे। अध्यक्षीय उद्बोधन में कुलपति प्रो. संजय श्रीवास्तव ने कहा कि आदिवासी समाजों ने भारतीय सभ्यता की मूल भावना सादगी, साझेदारी और प्रकृति संरक्षणको आज भी जीवित रखा है। भगवान बिरसा मुंडा द्वारा उत्पन्न राजनीतिक चेतना ने स्वतंत्रता संग्राम और राष्ट्रवाद की धारा को नई दिशा दी। उन्होंने समाजशास्त्र एवं सामाजिक कार्य विभाग से आग्रह किया कि वे जनजातीय समुदायों की

कॉस्मोलॉजी, जीवन-दृष्टि, ज्ञान-परंपराओं और स्थानीय संसाधन प्रबंधन तकनीकों का दस्तावेजीकरण करें। पश्चिमी प्रतिमानों के बजाय भारतीय समाज-आधारित कार्यप्रणाली विकसित करने पर उन्होंने बल दिया। मुख्य अतिथि प्रो. रक्षादेवी सिंह ने भगवान बिरसा मुंडा के युवा नेतृत्व को आज के भारत के युवाओं के लिए प्रेरणास्त्रोत बताया। उन्होंने स्पष्ट किया कि उलगुलान किसी सत्ता, धन या प्रतिष्ठा के लिए नहीं, बल्कि जल-जंगल-जमीन की रक्षा के लिए था। उनके अनुसार यह आंदोलन पर्यावरणीय न्याय, सामाजिक समरसता और सांस्कृतिक पुनर्जागरण का प्रतीक था। उन्होंने यह भी रेखांकित किया कि जनजातीय इतिहास में अनेक महिलाएँ महत्वपूर्ण योगदान देती रही हैं, जिनमें पद्मश्री राजमोनी देवी (छत्तीसगढ़, गोंड समुदाय) और झुनकी देवी (झारखंड) जैसी नामी व्यक्तित्वों को सामने लाना आवश्यक है। एक शिक्षाविद् के रूप में उन्होंने सुझाव दिया कि विश्वविद्यालयों में जनजातीय अध्ययन के लिए फील्ड-वर्क आधारित शोध, मौखिक इतिहास और सांस्कृतिक अभिलेखागारों का निर्माण समय की माँग है। विशिष्ट अतिथि डॉ. सुदीप भुई ने कहा कि बिरसा मुंडा केवल एक प्रतिरोध के प्रतीक नहीं थे, बल्कि वे आध्यात्मिक नेतृत्व के धनी थे। उनके 'सन्डे स्कूल्स' जंगलों में सामाजिक चेतना और सामूहिक नैतिक शक्ति के विकास का माध्यम बने। उन्होंने जनजातीय समाज में धर्म सुधार, सामुदायिक एकता और औपनिवेशिक-मिशनरी हस्तक्षेप के प्रतिरोध को संगठित किया। उन्होंने कहा कि प्रकृति उपासना, सामुदायिक आत्मविश्वास और सांस्कृतिक पुनर्स्थापन आज के सामाजिक अध्ययनों में विशेष महत्व रखते हैं। प्रो. प्रसून दत्त सिंह ने कहा कि प्रकृति पूजा और जनजातीय सांस्कृतिक परंपराएँ भले आधुनिक विकासवाद की धारणाओं से दूर प्रतीत हों, किंतु वे मानव मूल्यों और पर्यावरणीय स्थिरता की मजबूत नींव हैं। उन्होंने यह भी कहा कि बिरसा मुंडा की परंपराएँ राष्ट्रीय शिक्षा नीति के मूल भाव भारतीय ज्ञान प्रणाली से गहरे रूप से जुड़ी हैं। प्रो. सुजीत कुमार चौधरी ने विद्यार्थियों से आग्रह किया कि वे जनजातीय नेताओं के जीवन, संघर्ष और समुदायों की जीवन-दुनिया को गहराई से समझें, क्योंकि वे आज के वैश्वीकरण काल में वैकल्पिक ज्ञान प्रणालियों का महत्वपूर्ण स्रोत हैं। कार्यक्रम का संचालन डॉ. स्वेता ने की। कार्यक्रम का समापन धन्यवाद ज्ञापन तथा राष्ट्रगान के साथ हुआ। महात्मा गांधी केंद्रीय विश्वविद्यालय द्वारा जनजातीय गौरव दिवस पर आयोजित यह संवाद अकादमिक और सामाजिक दृष्टि से अत्यंत सार्थक रहा।

पीएम और सीएम की जोड़ी पर जनता ने जताया भरोसा - सतीश चंद्र दुबे

क्षेत्र की समस्या और जनता के उम्मीदों के अनुरूप करेंगे कार्य - विधायक

बीएनएम @ बगहा

बगहा भाजपा जिला कार्यालय में शुक्रवार को खुशी और उत्साह का माहौल देखा गया। विधानसभा चुनाव में एनडीए की जीत के बाद केंद्रीय मंत्री सतीश चंद्र दुबे, बगहा से दोबारा निर्वाचित विधायक राम सिंह और रामनगर-02 सुरक्षित सीट से पहली बार विजयी हुए विधायक नंदकिशोर राम कार्यालय पहुंचे। तीनों नेताओं ने भाजपा कार्यकर्ताओं और क्षेत्र की जनता का धन्यवाद किया।कार्यक्रम में भाजपा और एनडीए के कार्यकर्ताओं की बड़ी भीड़ उमड़ी रही। मौके पर भाजपा जिला अध्यक्ष अचिंत कुमार लल्ला, जदयू जिलाध्यक्ष व एमएलसी भीष्म साहनी, बिहार सरकार के पूर्व मंत्री राजेश सिंह,शिपू चौबे और जदयू नेता

सतीश चंद्र दुबे

राकेश सिंह सहित कई स्थानीय नेता मौजूद थे।केंद्रीय मंत्री सतीश चंद्र दुबे ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की जोड़ी पर जनता ने पूरा भरोसा जताया है। जनता ने एनडीए को बड़ी जीत दिलाई है, जिसके लिए सभी कार्यकर्ता बधाई के पात्र हैं। मुख्यमंत्री पद को लेकर पूछे गए सवाल पर उन्होंने कहा कि सभी एनडीए दल मिलकर बैठेंगे और सामूहिक निर्णय लेंगे।बगहा से विधायक बने राम सिंह ने कहा कि जनता ने दूसरी बार उन पर भरोसा जताया है, जिसे वे विकास कार्यों के माध्यम से पूरा करेंगे। वहीं रामनगर-02 से पहली बार जीतकर आए नंदकिशोर राम ने कहा कि वे क्षेत्र की समस्याओं पर ध्यान देंगे और जनता की उम्मीदों के अनुरूप काम करेंगे।जदयू जिलाध्यक्ष व एमएलसी भीष्म साहनी ने कहा कि वाल्मीकिनगर सीट पर मिली हार की समीक्षा की जा रही है। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि पश्चिम चंपारण जिले की नौ सीटों में से सात पर एनडीए को जीत मिली है, जबकि दो सीटें कम अंतर से हारी हैं। इन दोनों सीटों के कारणों की भी जांच की जाएगी।दोनों विधायकों ने कहा कि वे अपने क्षेत्रों में तेज गति से विकास कार्य कराएंगे।

मोतिहारी विधानसभा क्षेत्र में एक सशक्त विपक्ष की भूमिका निभाने के लिए तैयार है देवा गुप्ता

बीएनएम @ मोतिहारी

लोकतंत्र में जनता का जनादेश ही सर्वोपरी होता है। मोतिहारी की जनता ने जो जनादेश दिया है हम उसे स्वीकार करते है। चुनावी राजनीति में हार-जीत सिक्का के दो पहलू है। हम चुनाव जरूर हारे हैं लेकिन इससे हमारे हौसला में थोड़ी भी कमी नहीं आयेगी। हम एक सशक्त विपक्ष की भूमिका निभाते रहेंगे। अब तक मोतिहारी में एक स्थायी विपक्ष नहीं रहा है। कभी बाहर से तो कभी दूसरे विधानसभा से तो कभी यहां के उम्मीदवार को दूसरे विधानसभा भेज दिया जाता था। हम मोतिहारी के बेटा एवं भाई है और मोतिहारी में ही टिके रहेंगे और विपक्ष की भूमिका में रहेंगे। मेरी यह हार जनता द्वारा दी गयी हार नहीं है। हम सरकारी मशीनरी के दुरुपयोग से हारे है। पिछले कई महीनों से जिस तरह से मुझे, मेरे परिवार और मेरे अपनों को सरकारी मशीनरी के जरिये केस-मुक़दमा करके परेशान किया जा रहा था उस से इस तरह का परिणाम अपेक्षित था। मेरे सहयोगियों और मित्रों को झूठा मुक़दमा में फँसा कर जेल भेज दिया गया। हमारे नामांकन के बाद चुनाव का कार्य देख रहे हमारे बहुत सारे मेरे अपनों के घर पर छापा पर छापा कराया गया और नोटिस भेजकर, डरा धमका कर शहर से बाहर जाने पर मजबूर किया गया। चुनाव के समय हमारे ऊपर अन्य झूठे मुकदमा कराया गया। जिस वजह से जनसंपर्क करने में दिक़्क़त हुई और हम सभी लोगों तक नहीं पहुँच सके।

खैर मुझें मोतिहारी की लगभग 92,517 जनता का अटूट आशीर्वाद और प्यार मिला जिसके लिए आजीवन ऋणी रहेंगे। जनता जनार्दन के लिए देवा गुप्ता का दरवाज़ा हमेशा खुला रहेगा। पराजय से बहुत कुछ सीखने का अवसर मिलता है। हम दोगुनी ऊर्जा के साथ पाँच वर्ष जनता की सेवा करेंगे। हम हारे जरूर है पर हार नहीं मानेंगे, हम मोतिहारी के जनता के लिए और बदहाल व्यवस्था को बदलने के लिए चुनाव लड़े थे और लड़ते रहेंगे।

डैनोन समर्थित स्वस्थ माता स्वस्थ बालक कार्यक्रम का डॉक्टर्स फॉर यू के द्वारा उन्मुखीकरण कार्यक्रम आयोजित

बीएनएम @ मोतिहारी

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र कल्याणपुर में प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. नरेश कुमार की अध्यक्षता में डैनोन समर्थित डॉक्टर्स फॉर यू के तहत शनिवार को एक महत्वपूर्ण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस मौके पर प्रोग्राम कोऑर्डिनेटर मनीष कुमार, सौरभ कुमार और ब्लॉक कोऑर्डिनेटर शक्ति कुमार ने नीति आयोग के स्वास्थ्य सूचकांक पर सभी ए.एन.एम., जी.एन.एम., सी.एच.ओ. और आशा फेसिलिटेटर का उन्मुखीकरण किया। कार्यक्रम मे यूनिसेफ़ से विनय कुमार, पंकज कुमार और प्रखंड स्वास्थ्य प्रबंधक राजीव भूषण मिश्रा और प्रखंड मूल्यांकन अनुश्रवन सहायक रुपेश कुमार उपस्थित रहे। बैठक में बताया गया कि नीति आयोग के जिन स्वास्थ्य संकेतकों में प्रखंड

पिछड़ा हुआ है, उन्हें सुधारने के लिए वी.एच.एस.एन.डी. सत्रों और प्रधानमंत्री सुरक्षित मातृत्व दिवस में एच.आर.पी यानी उच्च जोखिम वाली गर्भवती महिलाओं की पहचान, उनके उपचार और समय पर रेफरल की प्रक्रिया को सशक्त बनाना आवश्यक है। मनीष कुमार और सौरभ कुमार ने कहा कि गर्भावस्था के 9 से 12 सप्ताह के भीतर गर्भवती की पहचान कर उन्हें प्रधानमंत्री मातृ वंदना योजना से जोड़ना होगा। साथ ही, प्रत्येक गर्भवती महिला की कम से कम चार बार प्रसवपूर्व जांच सुनिश्चित करनी होगी और उच्च जोखिम वाली सभी माताओ का 4 बार ए.एन.सी. जाँच के अलावा 4 अतिरिक्त फॉलो अप विजिट करके संस्थागत प्रसव के लिए कॉउंसलिंग करना होगा। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य नीति आयोग के स्वास्थ्य सूचकांकों को बेहतर बनाना और मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं को सशक्त बनाना रहा।सभी स्वास्थ्य उप केंद्र के पिछले माह और नीति आयोग के तीसरे क्वार्टर के डाटा पर मूल्यांकन किया गया।

नौतन से चौथी बार विधायक बने नारायण प्रसाद

बीएनएम @ बेतिया

नौतन विधानसभा क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी के उम्मीदवार नारायण प्रसाद ने एक बार फिर जीत दर्ज करते हुए नया कीर्तिमान बनाया है। शुक्रवार को हुई मतगणना में उन्होंने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 22,072 मतों के अंतर से हराया। यह जीत उन्हें लगातार चौथी बार नौतन का प्रतिनिधि बनाती है। विजय के बाद नारायण प्रसाद ने क्षेत्र की जनता का आभार जताते हुए कहा कि यह जनता के विश्वास और आशीर्वाद की जीत है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश और बिहार के विकास की रफ्तार बढ़ी है। आयुष्मान भारत योजना के तहत गरीब परिवारों को 5 लाख रुपये तक का मुफ्त इलाज और लगभग 80 करोड़ लोगों को मुफ्त राशन उपलब्ध कराया जा रहा है। उन्होंने बताया

नारायण प्रसाद

कि प्रधानमंत्री, गृह मंत्री और मुख्यमंत्री से नौतन को पिछड़े क्षेत्र से निकालकर विकसित इलाके की श्रेणी में शामिल करने की मांग की गई है। गंडक नदी से सिल्ट हटाकर पटना से वाल्मीकि नगर तक जलमार्ग विकसित करने, चंपारण तटबंध के पक्कीकरण तथा नौतन में सिक्स लेन और फोर लेन सड़क परियोजनाओं को प्राथमिकता से आगे बढ़ाने की बात भी उन्होंने कही। अंत में उन्होंने दोहराया कि वे जनता के सेवक हैं और विकास ही उनकी पहली प्राथमिकता है।

कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन

बीएनएम @ बैरिया

बाल दिवस के शुभ अवसर पर सेनुवारिया स्थित लैब ऑफ़ एजुकेशन वेलफेयर ट्रस्ट (LOE ट्रस्ट) में बच्चों के बीच कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। ट्रस्ट के अध्यक्ष नितेश कुमार पटेल ने बताया कि पंडित जवाहरलाल नेहरू के जन्मदिन पर बाल दिवस मनाया जाता है और इसी मौके पर बच्चों में खेल भावना को प्रोत्साहित करने के लिए यह आयोजन किया गया। कबड्डी प्रतियोगिता में लड़कों और लड़कियों की अलग-अलग टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। मैच समाप्त होने पर विजेता (विनर) और उपविजेता (रनर) टीमों को ट्रस्ट के अध्यक्ष द्वारा पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। संस्था का उद्देश्य है कि ग्रामीण क्षेत्रों के बच्चे खेलकूद में आगे बढ़ें और भविष्य में राष्ट्रीय तथा अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपने क्षेत्र का नाम रोशन करें। कार्यक्रम में ट्रस्ट के सचिव सुजीत सोनी, कोषाध्यक्ष विनय पटेल, सदस्य दीपक वर्मा, दीपक कुमार सहित संस्था के अनेक बच्चे उपस्थित रहे। कार्यक्रम में काजल कुमारी, निभा कुमारी, निशा

सम्मानित होते विजेता टीम

कुमारी, अंजली कुमारी, पिंकी कुमारी, सरिता कुमारी, रुपाली कुमारी, ज्योति कुमारी, अखिलेश कुमार, नितेश कुमार, बिपिन कुमार, प्रदीप कुमार, मनदीप कुमार, अजीत कुमार, अरमान आलम, सुगंध कुमार, सुमन कुमार, अवनीश कुमार, सनी कुमार, अनीश पटेल, सरफुद्दीन आलम सहित बड़ी संख्या में बच्चे शामिल हुए। कार्यक्रम हर्षोल्लास के साथ संपन्न हुआ।

शॉर्ट सर्किट से लगी आग, मुआवजे की मांग

बीएनएम @ बेतिया

बैरिया अंचल क्षेत्र के सूर्यपुर पंचायत के वार्ड नंबर 5 में अचानक लगी आग ने तीन परिवारों को भारी नुकसान पहुँचा दिया। बताया जाता है कि सभी लोग खाना खाकर सोने ही वाले थे, तभी अचानक बिजली के शॉर्ट सर्किट से आग भड़क उठी और देखते ही देखते तीन घरों को अपनी चपेट में ले लिया। पीड़ित सुरेंद्र गद्दी की तीन झोपड़ियाँ पूरी तरह जलकर राख हो गईं। आग में उनके खेत से जुड़े महत्वपूर्ण कागजात, करीब 1 लाख रुपये नकद, लगभग 5 थान गहना, दो साइकिलें तथा अन्य जरूरी सामान् जलकर नष्ट हो गया। अनुमान लगाया जा रहा है कि कुल नुकसान लगभग 2 लाख रुपये से अधिक का है। वहीं

आग की धधकती लपटे

चंदेश्वर गद्दी का भी घर जल गया, जिसमें 40 हजार रुपये नकद, लाखों रुपये मूल्य का गहना और घरेलू सामान राख में बदल गए। इसी तरह अख्तर अली का घर भी पूरी तरह जल गया, जिससे उनका परिवार बेघर हो गया है। आग की भयावहता के कारण स्थानीय लोग भी दहशत में आ गए और मौके पर पहुंचकर बुझाने का प्रयास किया, लेकिन तब तक सब कुछ जल चुका था। अग्निपीड़ित परिवारों ने अंचल प्रशासन से तत्काल राहत और मुआवजे की मांग की है, ताकि वे अपने जीवन को दोबारा पटरी पर ला सकें।

संक्षिप्त समाचार

अस्मिता खेलो इंडिया महिला रोड साइक्लिंग सिटी लीग आज, तैयारियाँ पूरी

बीएनएम @ हरनौत (नालंदा): जिला साइक्लिंग एसोसिएशन द्वारा कल्याण विगहा में 16 नवम्बर को आयोजित होने वाली अस्मिता खेलो इंडिया महिला रोड साइक्लिंग सिटी लीग की सभी तैयारियाँ पूर्ण कर ली गई हैं। इस बारे में जानकारी देते हुए एसोसिएशन के सचिव प्रमोद कुमार ने बताया कि प्रतियोगिता का उद्देश्य बालिकाओं में खेल के प्रति जागरूकता बढ़ाना और साइक्लिंग को प्रोत्साहित करना है। उन्होंने बताया कि यह लीग दो आयु वर्ग—अंडर-14 और अंडर-18 में आयोजित की जाएगी, जिसमें प्रतिभागियों को 5 किलोमीटर मास स्टार्ट रेस में अपनी क्षमता दिखाने का मौका मिलेगा। दोनों श्रेणियों में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली प्रतिभागी साइकिलिस्टों को मंच पर सम्मानित किया जाएगा तथा उन्हें प्रोत्साहन स्वरूप पुरस्कार भी प्रदान किए जाएंगे। महिला सिटी लीग का विधिवत उद्घाटन सुबह 9:30 बजे किया जाएगा। उद्घाटन कार्यक्रम में अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी (SDPO) संजय जायसवाल तथा बिहार राज्य साइक्लिंग एसोसिएशन के सचिव डॉ. कौशल किशोर संयुक्त रूप से उपस्थित रहेंगे। एसोसिएशन के सदस्यों व स्थानीय खेल प्रेमियों की सक्रिय भूमिका से तैयारी को अंतिम रूप दिया गया है। आयोजकों का कहना है कि जिले में महिला खिलाड़ियों को आगे बढ़ाने के लिए इस प्रकार के आयोजन अत्यंत महत्वपूर्ण हैं, जिससे ग्रामीण क्षेत्रों की प्रतिभाएँ भी राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर तक पहुँच सकें। प्रतियोगिता को लेकर छात्राओं और अभिभावकों में उत्साह देखा जा रहा है।

असामाजिक तत्वों ने सब्जी दुकान में लगाई आग ,लाखों का सामान जलकर राख

बीएनएम @ इसलामपुर (नालन्दा) नगर के मुहल्ला मलिकसराय स्थित नेताजी सुभाष हाई स्कूल के मैदान के समीप सब्जी मंडी में एक सब्जी दुकान में अज्ञात असामाजिक तत्वों ने आग लगा दिया। जिसमें करीब एक लाख रुपये मूल्य का सामान जलकर बर्बाद हो गया। आग लगने के बाद स्थानीय लोगों ने घटना की इसलामपुर थाना को सूचना दिया। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस अग्निशामक वाहन के साथ घटनास्थल पर पहुंचकर आग पर काबू पाया। घटना के संबंध में भुक्तभोगी थोक सब्जी दुकानदार इसलामपुर निवासी मो० मिनहाज ने बतलाया कि प्रतिदिन की तरह शुक्रवार की संध्या मे सब्जी दुकान को बंद कर घर चला गया। शनिवार की सुबह साढ़े तीन बजे आस-पास के लोगों ने दुकान मे आग लगने की सूचना हमारे मोबाइल पर दिया । सूचना मिलते ही सब्जी दुकान पर पहुंचकर देखा कि दुकान मे आग लगने से दुकान मे रखा सारा सामान जलकर बर्बाद हो चुका है। भुक्तभोगी दुकानदार मो०मिन्हाज ने बतलाया कि इस घटना में दुकान में रखा करीब एक लाख रुपये का सामान जलकर बर्बाद हो गया। घटना के संबंध में पीड़ित दुकानदार के द्वारा अज्ञात असामाजिक तत्वों के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने को लेकर इसलामपुर थाना में एक लिखित आवेदन दिया है | पुलिस घटना में संलिप्त अपराधियों को चिन्हित करने में जुट गई है |

भाजपा ने आरके सिंह को किया बहार,बिहार सरकार पर लगाए आरोपों से मचा घमासान

बीएनएम @ पटना : बिहार की राजनीति में चुनाव नतीजों के बाद हालात अचानक गर्म हो गए हैं। भाजपा ने अपने वरिष्ठ नेता और पूर्व केंद्रीय ऊर्जा मंत्री आरके सिंह को पार्टी से निलंबित कर दिया है। यह कदम सिर्फ अनुशासन का मामला नहीं माना जा रहा, बल्कि NDA के भीतर लंबे समय से simmer हो रही नाराजगी और मतभेदों का संकेत भी है।आरके सिंह पिछले कई महीनों से पार्टी लाइन से अलग बयान देते दिख रहे थे। चुनाव से पहले उन्होंने NDA के कई उम्मीदवारों पर सवाल उठाए और दावा किया कि उन्हें गंभीर मामलों में फंसाए गए नेताओं को टिकट देने का विरोध है। सबसे बड़ा विवाद तब पैदा हुआ जब उन्होंने नीतीश सरकार पर 62 हजार करोड़ रुपये के कथित बिजली घोटाले का आरोप लगाया। इसी दौरान उनकी सोशल मीडिया पोस्ट पर भाजपा नेताओं की तीखी प्रतिक्रियाएं सामने आईं, जिसने यह साफ कर दिया कि मामला जल्द किसी टकराव की तरफ बढ़ेगा।आरके सिंह ने आरोप लगाया कि NTPC की प्रस्तावित बिहार बिजली परियोजना, जिसकी लागत लगभग 21,400 करोड़ रुपये थी, अचानक बदली गई और निजी कंपनी को लाभ पहुंचाने का रास्ता बनाया गया। उन्होंने सवाल उठाया कि जब सरकारी कंपनी यह काम कम दर पर कर सकती थी, तो फिर निजी समूह के साथ समझौता क्यों किया गया। उन्होंने ऊर्जा मंत्री बिजेंद्र यादव से इसका जवाब मांगा और दस्तावेज भी जारी किए।अपने दावों में उन्होंने कहा कि 6.75 रुपये प्रति यूनिट की दर से 25 साल तक बिजली खरीदना बिहार के उपभोक्ताओं पर सीधा बोझ होगा, जबकि फिक्स चार्ज ही 2.32 रुपये प्रति यूनिट तक पहुंच जाएगा।

ट्रक ड्राइवर के साथ मालिक ने की मारपीट, चालक जख्मी

» तेल चोरी कर बेचने का आरोप

बीएनएम @ रहुई (नालंदा)

सीएचसी रहुई में इलाज कराता जख्मी ड्राइवर

थाना क्षेत्र के रामपुर गांव के एक ट्रक ड्राईवर के साथ तेल चोरी करने के आरोप में ट्रक मालिक ने मारपीट कर गंभीर रूप से जख्मी कर दिया। मामला सरमेरा थाना क्षेत्र के सरमेरा बाजार की है जहां इसुआ गांव निवासी ट्रक मालिक प्रशांत सिंह उर्फ बबलू सिंह ने अपने ट्रक ड्राइवर के साथ तेल चोरी कर बेचने का आरोप लगाया और पैसे मांगने लगे ट्रक ड्राइवर ने तेल चोरी नहीं करने की बात कही। तभी ट्रक मालिक ने उसे मारपीट कर बुरी तरह जख्मी कर दिया। जख्मी ड्राइवर की पहचान रहुई थाना क्षेत्र के रामपुर गांव निवासी सुरेंद्र यादव के 19 वर्षीय पुत्र अभय कुमार यादव के रूप में की गई है। जख्मी युवक के द्वारा इसकी सूचना अपने पत्नी को फोन पर दिया और सारी बात बताई। सूचना मिलने के बाद जख्मी की पत्नी सरमेरा पहुंचकर घायल को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र रहुई में भर्ती कराया ,जहां चिकित्सक के द्वारा प्राथमिक उपचार कर गंभीर स्थिति को देखते हुए मॉडल अस्पताल बिहारशरीफ रेफर कर दिया गया। थानाध्यक्ष ललित विजय ने बताया कि इस मामले में कोई आवेदन प्राप्त नहीं हुआ है।

लापता बुजुर्ग का शव गोइठवा नदी से मिला

बीएनएम @ बिहारशरीफ

मृतक के गमगीन परिजन

दीपनगर थाना क्षेत्र के समस्ती गांव निवासी एक 75 वर्षीय बुजुर्ग पिछले तीन दिनों से लापता थे। लापता बुजुर्ग का नदी से शनिवार को शव मिला है। बुजुर्ग समस्ती गांव निवासी 75 वर्षीय रविंद्र रावत है। मृतक के परिजनों ने बताया कि बुधवार की शाम शौच के लिए चाचा नदी किनारे गए थे। काफी देर तक नहीं लौटे। खोजबीन की गई लेकिन कहीं कुछ पता नहीं चला ।उन्होंने बताया कि अगले दिन गुमशुदगी का मामला थाने में दर्ज कराया गया है। इस दौरान भी लगातार खोजबीन की जा रही है। उन्होंने बताया कि शनिवार की सुबह शौच के लिए एक ग्रामीण नदी में उपलाये शव को देखा ।इसके बाद गांव वालों को सूचना दे दी गई। उन्होंने बताया कि मौके पर लोगों की काफी भीड़ जुट गई ।शव को नदी से बाहर निकाला गया । उन्होंने बताया की मौत की खबर मिलते ही घर में कोहराम मच गया। दीपनगर थानाध्यक्ष राजमणि ने बताया कि बुजुर्ग के शव मिलने की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची थी। उन्ह योने बताया कि शव को कब्जे में कर पोस्टमार्टम के लिए मॉडल अस्पताल बिहारशरीफ भेज दिया गया है। थाना अध्यक्ष ने बताया कि पानी में डूबने से बुजुर्ग की मौत होने की बात सामने आ रही है ।पुलिस पूरे मामले की जांच में जुट गई है।

चुनावी सुरक्षा की भेंट चढ़ा फूल बाज़ार, दुकानदारों को भारी आर्थिक नुकसान

गेंदा फूल की मालाओं से सजी दुकान ग्राहकों की इंतजार में बैठा दुकानदार

बीएनएम @ बिहारशरीफ

हर चुनाव में मतगणना के दिन गेंदा के फूल के मालाओं की बिक्री काफी होती है ।मतगणना केंद्र के आसपास सड़क किनारे माला की दुकान सज जाती हैं ।इस बार तो दुकान है सजी, लेकिन खरीदार नहीं आए, जिससे दुकानदारों में मायूसी छाई रही । मतगणना केंद्र के बाहर सड़कों पर पुलिस की कड़ी सुरक्षा से आम लोगों का आना-जाना बंद रहा। पुलिस और अधिकारियों को छोड़कर किसी भी अन्य व्यक्ति का प्रवेश निषेध होने से बाजार पूरी तरह सुना-सुना दिखा। माला विक्रेता ने बताया कि सुबह से ही गेंदा के फूलों की माला और गुलाब का फूल लेकर बैठे हैं लेकिन कोई खरीदारी करने नहीं आया । उन्होंने बताया कि शाम को भी एक बड़ी उम्मीद थी की बिक्री होगी लेकिन अब पूंजी भी लौटने की संभावना नहीं है। हालात देखते हुए माला दुकानदारों ने अपनी -अपनी मालाओं को शाम होते ही समेटना शुरू कर दिया।

भाजपा प्रत्याशी की जीत पर कार्यकर्ताओं में मनाया जश्न

जीत का जश्न मनाते भाजपा कार्यकर्ता व समर्थक

बीएनएम @ रहुई (नालंदा)

बिहारशरीफ विधानसभा क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी डॉ. सुनील कुमार के जीत के जश्न में रहुई प्रखंड के पतासंग और मोरा तालाब में शनिवार को भाजपा के मोरा तालाब के मंडल अध्यक्ष और युवा उपाध्यक्ष समेत दर्जनों कार्यकर्ताओं ने मिलकर एक दूसरे को अबीर-गुलाल लगाकर मिठाई खिलाकर खुशियां मनाई। इस दौरान मंडल अध्यक्ष बिट्टू कुमार ने कहा कि हिन्दू हृदय सम्राट भाजपा प्रत्याशी को हराने के लिए महागठबंधन ने लोकल और बाहरी प्रत्याशी को बिहारशरीफ में उतारा। पूरी ताकत झोंकी और विरोधी दल के नेताओं ने हराने के लिए बहुत उपाय लगाया लेकिन सब पर पानी फिर गया और फायदा हुआ डॉ. सुनील कुमार की। वहीं युवा उपाध्यक्ष रणवीर सिंह ने कहा कि ये प्रचंड जीत नहीं बल्कि पूरा जनता का जीत है। इस मौके पर मंडल अध्यक्ष भाजपा बिट्टू कुमार सिंह, राजवीर सिंह युवा उपाध्यक्ष भाजपा, राजन सिंह, राहुल सिंह, रणवीर सिंह, अविनाश सिंह कमेटी अध्यक्ष, विक्की सिंह, नीतीश कुमार, रौनीत सिंह, विकाश सिंह, बिपुल सिंह, श्रवण सिंह, अप्पू सिंह, गोलू सिंह, सिप्पू सिंह , मंजीत सिंह समेत दर्जनों कार्यकर्ता मौजूद रहे।

जनता का विश्वास, विकास की तेज़ रफ़्तार : कौशल किशोर

ऐतिहासिक जीत के बाद विधायक ने मां आशापुरी के दरबार में टेका माथा

बीएनएम @ गिरियक

मां आशापुरी मंदिर में पूजा के बाद लोगों से रूबरू होते विधायक

विधानसभा चुनाव में प्रचंड बहुमत से जीत मिलने के बाद राजगीर के नवनिर्वाचित विधायक कौशल किशोर शुक्रवार की शाम घोसरावां स्थित प्राचीन मां आशापुरी मंदिर पहुंचे और विधिवत पूजा-अर्चना की। चुनावी परिणाम घोषित होने के बाद उनका यह पहला सार्वजनिक दौरा था, जिसे समर्थक 'जनता के प्रति कृतज्ञता और नए संकल्प की शुरुआत' के रूप में देख रहे हैं।मंदिर परिसर में प्रवेश करते ही ढोल-नगाड़ों, फूल-मालाओं और जयकारों के साथ विधायक का ज़ोरदार स्वागत किया गया। बड़ी संख्या में स्थानीय ग्रामीण, समर्थक और कार्यकर्ता इस दौरान उपस्थित रहे। पुजारी पियूष उपाध्याय के नेतृत्व में वैदिक मंत्रोच्चार के बीच विशेष पूजा करवाया गया, जिसमें विधायक ने क्षेत्र की समृद्धि, शांति और निरंतर विकास के लिए आशीर्वाद माँगा।मां आशापुरी मंदिर में पूजा के बाद कौशल किशोर पावापुरी स्थित हनुमान मंदिर भी पहुंचे और माथा टेककर विजय का श्रेय जनता को दिया। उन्होंने कहा,"यह जीत जनता के विश्वास और आशीर्वाद का परिणाम है। अब लक्ष्य है—तेज़ गति से विकास कार्यों को आगे बढ़ाना और हर पंचायत तक बदलाव पहुंचाना।"पूजा के बाद विधायक ने ग्रामीणों से अनौपचारिक बातचीत भी की। लोगों ने सड़क मरम्मत, पेयजल, स्वास्थ्य सेवाओं और रोजगार से जुड़ी समस्याएँ सामने रखीं। विधायक ने आश्वस्त किया कि इन मुद्दों को प्राथमिकता के आधार पर निपटाया जाएगा और विकास योजनाओं की प्रगति पर वे स्वयं निगरानी रखेंगे।स्थानीय लोगों ने कहा कि चुनाव जीतने के तुरंत बाद धार्मिक स्थल पहुँचकर आशीर्वाद लेना विधायक के सरल और जनसरोकार वाले स्वभाव की पहचान है। धार्मिक यात्रा के चलते पूरे इलाके में उत्साह का माहौल देखने को मिला और लोगों में उम्मीद जगी कि क्षेत्र में विकास की रफ्तार अब और तेज होगी।मौके पर भाजपा के पूर्व जिला अध्यक्ष रामसागर सिंह, प्रखंड प्रमुख प्रतिनिधि संतोष कुमार, विजय कुमार सिन्हा, अजय कुमार, मनोज सिंह, अभय कुमार सिंह सहित कई जनप्रतिनिधि और कार्यकर्ता मौजूद थे।

कैनार पैक्स में धान की खरीदारी शुरू

डीसीओ व बीसीओ के समक्ष किसानों से धान की खरीदारी करते केनार पैक्स अध्यक्ष

बीएनएम @ सरमेरा

शनिवार को सरमेरा प्रखंड के केनार पैक्स में विपणन 2025- 26 के अंतर्गत धान खरीदारी की शुरूआत की गई। धान खरीदारी शुरू करने से पहले जिला सहकारिता पदाधिकारी धर्मनाथ प्रसाद सरमेरा प्रखंड प्रसार पदाधिकारी नवीन कुमार सिंह ने पूजा पाठ के बाद धान खरीदीदारी की शुरुआत की। केनार पैक्स अध्यक्ष आभा के द्वारा धान की बिक्री की शुरुआत की गई। उन्होंने बताया कि धान का समर्थन मूल्य साधारण धान 2369 रुपए प्रति कुंतल और ग्रेड ए धान का मूल्य 2389 रुपए प्रति कुंतल निर्धारित की गई है। इस अवसर पर केनार पंचायत के पूर्व मुखिया अजय कुमार निराला एवं पूर्व पैक्स अध्यक्ष धनंजय कुमार, पैक्स प्रबंधक सुनील कुमार के अलावे गांव के अन्य किसान मौजूद रहे।

लोकतंत्र में पहली बार पैसों की बाढ़ : उदय सिंह

प्रेस कांफ्रेंस करते जन सुराज के नेता

» जनसुराज ने सरकार पर लगाया वोट खरीदने का आरोप

बीएनएम @ पटना

विधानसभा चुनाव में कमजोर प्रदर्शन के बाद जनसुराज पार्टी ने बिहार सरकार और एनडीए पर गंभीर सवाल उठाए हैं। राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय सिंह और प्रदेश अध्यक्ष मनोज भारती ने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर कहा कि उन्हें उम्मीद से काफी कम वोट मिले, लेकिन इससे पार्टी का मनोबल प्रभावित नहीं हुआ है। उन्होंने साफ कहा कि उनका संघर्ष जारी रहेगा और पार्टी जनता के मुद्दों पर पहले की तरह सक्रिय रहेगी।उदय सिंह ने आरोप लगाया कि चुनाव के दौरान मतदाताओं के बीच यह डर फैलाया गया कि अगर जनसुराज को ज्यादा वोट मिलेंगे तो कहीं राजद फिर से सत्ता में न लौट आए। इस माहौल ने बड़े पैमाने पर वोटों को एनडीए की ओर धकेल दिया। उनके अनुसार, यह चुनाव राजनीतिक रणनीति के साथ-साथ भय और भ्रम के बीच लड़ा गया।सबसे गंभीर आरोप सरकार पर पैसों के दुरुपयोग को लेकर लगाया गया। उदय सिंह ने दावा किया कि बिहार सरकार ने लगभग 40 हजार करोड़ रुपये खर्च कर वोट खरीदने की कोशिश की। उन्होंने आरोप लगाया कि 14 हजार करोड़ रुपये ब्लड बैंक से लोन लेकर खर्च किए गए, जिससे राज्य की आर्थिक स्थिति और कमजोर हो गई। उनके मुताबिक, सरकार के पास शिक्षा, स्वास्थ्य और रोजगार जैसी अहम जरूरतों पर खर्च करने के लिए पर्याप्त संसाधन ही नहीं बचे हैं।उन्होंने कहा कि चुनाव को प्रभावित करने के लिए पहले भी पैसों का इस्तेमाल होता रहा है, लेकिन पहली बार इतनी बड़ी मात्रा में धन की बाढ़ लाई गई है। उदय सिंह का कहना था कि इस तरह की प्रक्रिया लोकतंत्र की बुनियाद को कमजोर करती है और चुनावी प्रक्रिया को अविश्वसनीय बनाती है। एनडीए की जीत पर प्रतिक्रिया देते हुए उदय सिंह ने उन्हें बधाई दी, लेकिन साथ ही कहा कि अब सरकार को साफ-सुथरी और पारदर्शी कार्यशैली अपनानी चाहिए। उन्होंने मांग की कि नए मंत्रिमंडल में केवल स्वच्छ छवि वाले लोगों को जगह मिले और दागी नेताओं का प्रवेश न हो। पार्टी नेतृत्व ने भरोसा जताया कि आने वाले समय में वे और मजबूत होकर जनता के बीच जाएंगे और विकल्प के रूप में अपनी पहचान और व्यापक करेंगे।

चुनावी भूचाल से हिला विपक्ष, करारी पराजय के बाद खामोशी

आंतरिक मतभेद फिर सतह पर

बीएनएम @ गिरियक

विधानसभा चुनाव परिणामों ने विपक्ष के लिए बड़ा झटका साबित किया है। सत्ताधारी गठबंधन की प्रचंड जीत ने न सिर्फ राजनीतिक समीकरण बदले, बल्कि विपक्षी खेमे की नैया को बीच मझधार में ला खड़ा किया है। नतीजों के बाद से ही विपक्षी दलों में सन्नाटा और रणनीतिक असमंजस साफ दिखाई दे रहा है।राज्य के कई क्षेत्रों की तरह नालंदा जिले की सातों सीटों पर भी विपक्ष का परफॉर्मेंस बेहद कमजोर रहा। पारंपरिक वोट बैंक खिसकता दिखा और कई मजबूत गढ़ों में भी वोटों का अंतर चौंकाने वाला रहा। राजनीतिक जानकार इसे जनसंपर्क की कमी, संगठनात्मक ढीलापन और मुद्दों को जनता तक सही ढंग से न पहुंचा पाने का नतीजा मान रहे हैं।पार्टी कार्यालयों में चुनाव परिणाम के अगले ही दिन नेताओं की गतिविधियां बढ़ गईं, लेकिन माहौल में उत्साह नहीं, बल्कि बेचैनी और आत्ममंथन की छाया दिखी। सूत्रों के अनुसार कई सीटों पर उम्मीदवार चयन को लेकर भी सवाल उठने लगे हैं। हार की जवाबदेही तय करने को लेकर अलग-अलग गुटों की राय सामने आने से अंदरूनी खींचतान और गहराने लगी है।इधर, विपक्षी गठबंधन ने समीक्षा बैठकों का दौर तेज कर दिया है। शीर्ष नेतृत्व ने साफ कर दिया है कि आगे संगठन में बड़े बदलाव तय हैं और चुनावी रणनीति में व्यापक सुधार किए बिना लोकविश्वास वापस पाना मुश्किल होगा।सत्ताधारी दलों ने चुनाव परिणामों को जनता द्वारा 'विकास और स्थिरता के पक्ष में दिया गया स्पष्ट जनादेश' बताया है। उनका कहना है कि विपक्ष को जनता से दूरी और कमजोर जमीनी पकड़ की भारी कीमत चुकानी पड़ी है।राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो विपक्ष के लिए यह समय आत्मविश्लेषण और नए नेतृत्व मॉडल पर गंभीरता से काम करने का है।"अगर विपक्ष को वापसी का रास्ता तलाशना है, तो उसे जमीन पर उतरकर जनता से सीधा संवाद बढ़ाना होगा," विशेषज्ञों का कहना है।चुनावी झटके के बाद अब सबकी निगाहें इस बात पर टिकी हैं कि विपक्ष कब और कैसे फिर से अपने कदम मजबूत करता है।

विधानसभा सभा चुनाव : जिले में 46 प्रत्याशियों को नोटा से भी कम वोट, कुल 35493 मत पड़े

» पिछली चुनाव से 4 गुना अधिक मत नोट में पड़ा

बीएनएम @ बिहारशरीफ

विधानसभा का आम चुनाव में प्रत्याशी अपने विधानसभा क्षेत्र से जीत गए। जहां एनडीए की प्रचंड बहुमत हुई। एनडीए की इस प्रचंड जीत के बीच एक महत्वपूर्ण पहलू को लोगों ने नजर अंदाज कर दिया। यह महत्वपूर्ण पहलू नोटा में पड़े वोटो की बढ़ती संख्या है। जिले के सात विधानसभा क्षेत्र में इस बार के चुनाव में कुल 35493 मतदाताओं ने अपनी मुहर नोटा पर लगाया जो पिछली बार की तुलना से चार गुना अधिक है। यह एक आंकड़ा ही नहीं है बल्कि मौजूदा राजनीतिक व्यवस्था के प्रति एक बड़े वर्ग की नाराजगी और असंतोष का प्रतीक है । जिले के कुल 68 प्रत्याशियों में से 46 प्रत्याशी ऐसे रहे जिन्हें नोटा से भी कम वोट मिले हैं । यह उन उम्मीदवारों के लिए बहुत बड़ी सीख है, जिन्होंने जमानत राशि जमा कर चुनाव लड़ा है । छः विधानसभा क्षेत्र में अस्थमा, हरनौत, हिलसा, इस्लामपुर, नालंदा और राजगीर में नोटाचौथे स्थान पर रहा जबकि बिहारशरीफ विधानसभा क्षेत्र में यह पांचवें स्थान पर रहा ।अगर पूरी तरह से आकलन किया जाए तो यह स्पष्ट है कि जिलेभर में नोटा को ढाई प्रतिशत से अधिक मत मिला है। राजगीर विधानसभा क्षेत्र में नोटा को सबसे अधिक 687 वोट मिले । यहां जदयू भाजपा वाले और जान सुराज के बाद नोटा का स्थान रहा। वही बिहारशरीफ में नोटा को सबसे कम 3514 वोट मिले लेकिन फिर भी यह संख्या अधिक है। यहां 10 में से 6 प्रत्याशियों को नोटा कम वोट मिले हैं । इस्लामपुर में 13 में से 10 प्रत्याशियों को नोटा से कम वोट मिला है । इसी तरह हरनौत विधानसभा क्षेत्र में 11 प्रत्याशियों में से 8 प्रत्याशी नोटा के पीछे रहे। एनडीए की जीत के उत्साह में इस पर किसी प्रत्याशियों ने ध्यान नहीं दिया। लेकिन नोटा में चार गुना वृद्धि पिछले चुनाव से ज्यादा है। यह संकेत देता है कि एक बड़ा वर्ग मौजूदा राजनीतिक विकल्पों से संतुष्ट नही है और बेहतर नेतृत्व की तलाश में है । बताया गया कि अस्थमा में 6519 वोट ,नालंदा में 4825 और हिलसा में 3853 वोट नोटा को मिले।

राष्ट्र-व्यापी मुद्दा बना एसआईआर

विपक्षी खेमों में एसआईआर के खिलाफ भावनाएं सिर्फ चंद राज्यों तक सीमित नहीं हैं। बल्कि यह राष्ट्र-व्यापी मुद्दा बना हुआ है। हैरतअंगेज है कि इसके बावजूद निर्वाचन आयोग ने विपक्षी दलों से संवाद शुरू करने की जरूरत नहीं समझी है। एक नवंबर को मुंबई में शिवसेना और महाराष्ट्र नव-निर्माण सेना के नेतृत्व में कई विपक्षी दलों ने कथित वोट चोरी के खिलाफ बड़ा मोर्चा निकाला। उन्होंने मांग की जब तक मतदाता सूची को सुधारा नहीं जाता, राज्य में स्थानीय निकाय चुनाव नहीं होने चाहिए। शरद पवार ने इस आंदोलन की तुलना 1950 के दशक के संयुक्त महाराष्ट्र आंदोलन से की है, जिसकी वजह से इस मराठी भाषी राज्य का गठन हुआ। दो नवंबर को चेन्नई में मुख्यमंत्री एम.के. स्टालिन ने तकरीबन 40 दलों के नेताओं के साथ बैठक की, जिसमें मतदाता सूची में विशेष गहन पुनरीक्षण को लाखों लोगों को मताधिकार से वंचित करने का प्रयास बताया गया। इन दलों ने निर्वाचन आयोग के इस अभियान के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट जाने का एलान किया है। मंगलवार को कोलकाता में एसआईआर के खिलाफ मुख्यमंत्री ममता बनर्जी मोर्चा संभालेंगी। तृणमूल कांग्रेस ने इस प्रक्रिया पर आपत्ति जताने के लिए वहां रैली का आयोजन किया है। केरल की विधानसभा बकायदा एसआईआर के खिलाफ प्रस्ताव पारित कर चुकी है। इस बीच बिहार में चल रहे विधानसभा चुनाव अभियान के दौरान जब-तब वोट चोरी की चर्चा जारी है। बिहार का मामला पहले से सुप्रीम कोर्ट में है, जिसमें अभी फैसले का इंतजार है। विपक्षी खेमों में एसआईआर और निर्वाचन आयोग के खिलाफ ऐसी भावनाएं सिर्फ इन पांच राज्यों तक सीमित नहीं हैं। बल्कि यह राष्ट्र-व्यापी मुद्दा बना हुआ है। हैरतअंगेज यह है कि इसके बावजूद निर्वाचन आयोग ने विपक्षी दलों से संवाद शुरू करने की जरूरत नहीं समझी है। हालांकि इस बात के संकेत हैं कि केंद्र सरकार के नीति-निर्माताओं के बीच इस प्रकरण में चुनावी लोकतंत्र की प्रमुख संचालक संस्था के खिलाफ बन रहे माहौल को लेकर चिंता है, फिर भी सार्वजनिक रूप से सत्ता पक्ष विपक्ष के इससे संबंधित आरोपों को ठेंगे पर रखे हुए है। नतीजतन एक ऐसी स्थिति बन रही है, जिसके परिणामस्वरूप हर चुनावी नतीजा एक बड़े जनमत की निगाह में संदिग्ध बना रहेगा। इसका दूरगामी असर आबादी के एक बड़े तबके की निगाह में निर्वाचित सरकारों की वैधता पर पड़ेगा। यह एक ऐसी आशंका है, जिसको लेकर सबको चिंतित होना चाहिए।

बिहार का निर्णायक जनादेश- नीतीश कुमार की वापसी, एनडीए की प्रचंड जीत और भारतीय राजनीति के बदलते संकेत

किशन सनमुखदास भावनान

वैश्विक स्तरपर भारत के सबसे राजनीतिक रूप से सक्रिय और संवेदनशील राज्यों में से एक बिहार ने एक बार फिर ऐसा जनादेश दिया है, जिसने न केवल राज्य की राजनीति में भारी हलचल पैदा की है, बल्कि राष्ट्रीय स्तर पर सत्ता-संतुलन और राजनीतिक संकेतों को भी गहराई से प्रभावित किया है। 2025 के इस चुनावी परिणाम ने साफ़ कर दिया है कि पटना का राजनीतिक किला एक बार फिर बिहार के अनुभवी और लंबे समय तक शासन करने वाले नेता नीतीश कुमार के हाथों में जाता दिख रहा है। एनडीए गठबंधन ने न केवल यह चुनाव जीतने की दिशा में ऐतिहासिक बढ़त हासिल की है, बल्कि पिछले 15 वर्षों में बना कोई भी रिकॉर्ड इस चुनाव की भव्यता और जनसमर्थन की ऊंचाई से मेल नहीं खाता। मैं एडवोकेट किशन सनमुदास भावनानीं गोंदिया महाराष्ट्र यह मानता हूं कि बिहार में एनडीए की प्रचंड वापसी राजनीतिक इतिहास में नया अध्याय जुड़ रहा है,चुनावी आंकड़ों और राजनीतिक विश्लेषण के आधार पर यह लगभग तय माना जा रहा है कि सत्तारूढ़ एनडीए एक बार फिर सरकार बनाने की स्थिति में है। नीतीश कुमार, जो बिहार की राजनीति में एक स्थिरता का प्रतीक माने जाते हैं, राज्य के राजनीतिक किले पर दोबारा कब्जे की ओर तेजी से बढ़ते दिखाई दे रहे हैं। इस चुनाव में न केवल जदयू-बीजेपी गठबंधन ने अपने पारंपरिक मतदाताओं को मजबूत तरीके से साधा, बल्कि एनडीए ने उन इलाकों में भी उत्कृष्ट प्रदर्शन किया, जहां पिछले वर्षों में विपक्ष को बढ़त मिली थी।चुनाव परिणामों की गहराई से समीक्षा करने पर यह स्पष्ट होता है कि एनडीए की इस बार की बढ़त किसी सामान्य चुनावी लहर का परिणाम नहीं है, बल्कि यह कई बहुआयामी सामाजिक-राजनीतिक रणनीतियों, योजनाओं और शासन के मॉडल का संयुक्त प्रभाव है। बिहार के मतदाता इस वक़्त केवल राजनीतिक दलों के आधार पर वोट नहीं कर रहे, बल्कि वे उन सरकारों को चुन रहे हैं जिनके पास व्यवस्थापकीय क्षमता, विकास का ट्रैक रिकॉर्ड और भविष्य का स्पष्ट रूप से सटीक दृष्टिकोण भी दिखाई देता है। साथियों बात अगर हम प्रदर्शन जिसने रिकॉर्ड तोड़ दिए है एनडीए की 200 सीटों से अधिक की ओर बढ़त है,इस चुनाव का सबसे उल्लेखनीय पहलू यह रहा कि जेडीयू- बीजेपी गठबंधन लगभग 200 सीटों के आंकड़े से अधिक की ओर पहुंच रहा है, जो पिछले 15 वर्षों के किसी भी चुनावी प्रदर्शन से अधिक है। यह केवल एक चुनावी जीत नहीं है,यह एक सामाजिक संदेश है कि बिहार के लोगों ने स्थिरता, अनुभव और नीति-प्रधान शासन के मॉडल को प्राथमिकता दी है।एनडीए की इस जीत के पीछे दो कारक सबसे प्रमुख रहे,पहला, जमीनी स्तर पर योजनाओं की प्रभावी पहुंच, और दूसरा, विपक्ष का कमजोर संगठन और बिखराव। भारत के अन्य राज्यों की तरह, बिहार में भी अब चुनाव केवल जातीय समीकरणों पर नहीं, बल्कि योजनाओं की डिलीवरी, महिलाओं की सुरक्षा, युवाओं के रोजगार और सामाजिक कल्याण जैसे कारकों पर लड़ने लगे हैं। यह बदलाव भारतीय लोकतंत्र के परिपक्व होने का संकेत है। साथियों बात कर हम बिहार से बंगाल तक बीजेपी की राष्ट्रीय विस्तार रणनीति को समझने की करें तो,एनडीए की इस अभूतपूर्व सफलता के बाद भाजपा की राष्ट्रीय राजनीति में एक नई ऊर्जा दिखाई दे रही है। पार्टी की ओर से स्पष्ट रूप से कहा गया है कि बिहार तो एक झांकी है, बंगाल बाकी है यह बयान केवल एक राजनीतिक नारा नहीं, बल्कि भारतीय राजनीति की एक गहरी रणनीतिक दिशा को दर्शाता है। इस समय भारतीय जनता पार्टी लगातार उन राज्यों की ओर बढ़ रही है, जहां अभी तक क्षेत्रीय दलों या वाम-समाजवादी गठबंधनों का प्रभुत्व रहा है।पश्चिम बंगाल में बीजेपी लंबे समय से संघर्ष कर रही है और अब बिहार की जीत ने भाजपा को यह विश्वास दिलाया है कि उनकी नीतियों और राजनीतिक रणनीतियों को पूर्वी भारत में भी नई ताकत मिल रही है। बंगाल का राजनीतिक और भू- रणनीतिक महत्व अत्यंत बड़ा है, वहां सत्ता परिवर्तन भारतीय राजनीति के संतुलन को और भी बदल सकता है।इसलिए, बिहार की सफलता भाजपा के लिए बंगाल अभियान की नींव साबित होती दिख रही है। साथियों बात अगर हम ऐतिहासिक मतदान, बिहार के लोकतंत्र की परिपक्वता का उत्सव को समझने की करें तो, इस चुनाव की सबसे प्रभावशाली विशेषता रही राज्य में हुआ ऐतिहासिक मतदान, जिसने बिहार को देश के उन सबसे राजनीतिक रूप से सक्रिय राज्यों की श्रेणी में ला खड़ा किया, जहां लोकतांत्रिक भागीदारी लगातार बढ़ रही है। दूसरे चरण में 68.79 प्रतिशत और पहले चरण में 65.08 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। दो चरणों को मिलाकर 66.90 प्रतिशत का कुल मतदान, जो पिछले चुनाव की तुलना में 9.6 प्रतिशत अधिक है। यह केवल प्रतिशत नहीं, एक परिवर्तनशील लोकतांत्रिकमानसिकता का संकेत है। भारत में आमतौर पर यह माना जाता है कि अधिक मतदान अक्सर सत्ता-विरोधी लहर को दर्शाता है, लेकिन बिहार ने इस धारणा को उलट दिया। यहां अधिक मतदान ने सत्तारूढ़ गठबंधन के पक्ष में परिणाम दिए,यह इस बात का प्रमाण है कि मतदाता सरकार के काम से संतुष्ट थे और उसे दोबारा मौका देना चाहते थे। साथियों बात अगर हममहिलाओं का निर्णायक योगदान नीतीश मॉडल पर भरोसे की मुहर लगनें को समझने की करें तो, एनडीए की इस जीत के केंद्र में यदि कोई शक्ति है, तो वह है बिहार की महिलाएं। महिलाओं ने रिकॉर्ड 71.78 प्रतिशत मतदान करके न केवल चुनाव के गणित को प्रभावित किया, बल्कि यह स्पष्ट संदेश भी दिया कि वे उस सरकार के साथ हैं जिसने उनके जीवन को सीधा प्रभावित किया है।नीतीश कुमार की सरकार महिलाओं की सुरक्षा, आर्थिक स्वतंत्रता और सामाजिक भागीदारी को केंद्र में रखकर लगातार योजनाएँ लागू करती रही है। इनमें विशेष रूप से तीन योजनाओं ने महिला वोट बैंक को एनडीए के पीछे खड़ा कर दिया:(1)10,000 रुपये की सीधी वित्तीय सहायता योजना- वित्तीय स्वतंत्रता महिलाओं के लिए सबसे महत्वपूर्ण साधन है। राज्य की इस योजना ने लाखों महिलाओं को सीधा आर्थिक समर्थन दिया, जिसका प्रभाव परिवारों के स्तर से लेकर सामाजिक स्तर तक देखा गया।(2) लखपति दीदी योजना -यह मॉडल महिलाओं को स्वरोजगार, आत्मनिर्भरता और उद्यमशीलता से जोड़ता है। जो महिलाएं पारंपरिक रूप से घर तक सीमित थीं, वे अब कमाई के केंद्र में आ चुकी हैं। (3) जीविका मॉडल-बिहार का जीविका कार्यक्रम देशभर में महिला सशक्तिकरण का एक सफल प्रयोग माना जा रहा है। यह महिलाओं को सेल्फ-हेल्प ग्रुप के माध्यम से सटीक आर्थिक और सामाजिक शक्ति प्रदान करता है। इस बार के चुनाव में महिलाओं ने निर्णायक भूमिका निभाते हुए एनडीए को वह समर्थन दिया, जिसने चुनाव के समीकरण पूरी तरह बदल दिए। भारत के राजनीतिक इतिहास में यह पहली बार है कि महिलाएं किसी चुनावी गठबंधन की सबसे मजबूत राजनीतिक रीढ़ साबित हुई हैं। साथियों बात अगर हम क्या विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) प्रक्रिया ने चुनाव परिणामों को प्रभावित किया? इसको समझने की करें तो, बिहार में चलाए गए विशेष गहन पुनरीक्षण (स्पेशल इंटेंसिव रिवीज़न) कार्यक्रम ने मतदाता सूची को अद्यतन और सटीक बनाने में बड़ी भूमिका निभाई। इस प्रक्रिया के तहत लाखों नए मतदाता सूची में जुड़े, और मृतक या स्थानांतरित मतदाताओं को हटाया गया। एसआईआर का सबसे बड़ा प्रभाव यह रहा कि पहली बार वोट करने वाले युवा और स्थानांतरित ग्रामीण महिलाएं भारी संख्या में सूची में शामिल हुईं, जिनमें से बड़ा हिस्सा एनडीए के समर्थन में रहा। हालांकि कुछ विश्लेषकों का दावा है कि एसआईआर प्रक्रिया का व्यापक लाभ विपक्षी इंडिया गठबंधन को मिल सकता था, लेकिन जमीनी हकीकत यह साबित करती है कि जिन वर्गों को सूची में नए रूप से जोड़ा गया, उन पर एनडीए के कल्याणकारी कार्यक्रमों का प्रभाव अधिक था।

बिहार में बडबोली राजनीति की हार, सुशासन की नई सुबह

ललित गर्ग

बिहार विधानसभा चुनाव में एनडीए की ऐतिहासिक एवं अनूठी जीत ने एक बार फिर यह स्पष्ट कर दिया है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का करिश्माई व्यक्तित्व, गृहमंत्री अमित शाह की चुनावी रणनीति और उनकी जनस्वीकार्यता आज भी भारतीय राजनीति में निर्णायक भूमिका निभाती है। यह जीत सिर्फ एक गठबंधन की सफलता नहीं, बल्कि बिहार के भविष्य की नई रूपरेखा का संकेत है। नीतीश कुमार के अनुभवी नेतृत्व, भाजपा की संगठनात्मक मजबूती और उभरते हुए युवा सितारे चिराग पासवान के प्रभावी प्रदर्शन ने मिलकर इस चुनाव को एनडीए के पक्ष में एक मिसाल बना दिया। एनडीए की जीत के पीछे उनके 10 प्रमुख वादे हैं जिनमें पंचामृत गारंटी, रोजगार सृजन, मुफ्त शिक्षा, महिलाओं के लिए योजनाएं, कृषि सुधार और बुनियादी ढांचे का विकास शामिल है। इस बार के चुनाव इसलिये भी ख़ास रहे क्योंकि 1951 के बाद बिहार में इस बार सबसे ज्यादा वोट पड़े। इस बार बिहार में 67.13 प्रतिशत मतदान हुआ जो कि पिछले विधानसभा चुनाव से 9.6 प्रतिशत ज्यादा है। पुरुषों की तुलना में महिलाओं का मतदान 8.15 प्रतिशत ज्यादा रहा है। इस बार के मतदान में पुरुषों की हिस्सेदारी 62.98 प्रतिशत रही और महिलाओं की 71.78 प्रतिशत। बिहार में 3.51 करोड़ महिला वोटर हैं और 3.93 करोड़ पुरुष वोटर और कुल मतदाताओं की तादाद 7.45 करोड़ है। बिहार विधानसभा चुनाव के ताजा रुझानों में राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के 200 सीटों के आंकड़े को पार कर रहा है, इस जनादेश में महिला मतदाताओं की सर्वाधिक महत्वपूर्ण भूमिका है। ऐसा प्रतीत होता है कि एकतरफा बिहार की महिलाओं का विश्वास जीत गया है, एनडीए विजयी हुआ है, बिहार विजयी हुआ है और महागठबंधन का बड़बोलापन हारा है। महागठबंधन की करारी हार अपने आप में कई सवाल छोड़ती है। चुनावी रैलियों में भीड़ जरूर इकट्ठी हुई, भाषणों में तीखे हमले भी हुए, लेकिन विपक्ष जनता का विश्वास जीतने में विफल रहा। नेतृत्व की अस्पष्टता, रणनीति की कमी, और विकास तथा सुशासन पर ठोस विजन की गैर-हाजिरी ने जनता को यह सोचने पर मजबूर किया कि सत्ता परिवर्तन से स्थिरता नहीं, बल्कि अनिश्चितता बढ़ सकती है। महागठबंधन बार-बार सामाजिक न्याय और पुराने नारों की दुहाई देता रहा, लेकिन आज का बिहार उन नारों से अधिक उम्मीदें रखता है- रोज़गार, सुरक्षा, कानून व्यवस्था और बुनियादी सेवाओं की निरंतरता। इन मुद्दों पर विपक्ष का स्पष्ट और भरोसेमंद खाका सामने नहीं आ सका। यही कारण है कि उसके नेताओं की बड़बोली बयानबाज़ी जनता पर असर नहीं डाल सकी, बल्कि कई जगह उलटा असर दिखा गई। इसके विपरीत एनडीए ने अपने चुनाव अभियान को "स्थिरता $ विकास" के सूत्र में पिरोया। मोदी की राष्ट्रव्यापी स्वीकार्यता, केन्द्र सरकार की जनकल्याणकारी नीतियां-योजनाएं और नीतीश कुमार की सुशासन-छवि ने बिहार के मतदाता को यह भरोसा दिया कि यह गठबंधन अनुभव, विश्वास, विकास और नीतिगत दृढ़ता का सही मिश्रण है। नीतीश कुमार भले कई राजनीतिक मोड़ों के लिए आलोचित हुए हों, लेकिन जनता के मन में उनकी छवि एक ऐसे प्रशासक की बनी हुई है, जो लंबे समय से बिहार को कानून-व्यवस्था, महिला सशक्तिकरण, सड़क-निर्माण और शिक्षा सुधार जैसे क्षेत्रों में आगे बढ़ाने का प्रयास करता रहा है। इस छवि का लाभ एनडीए को व्यापक रूप से मिला। भाजपा की संगठनात्मक मशीनरी ने बूथ तक प्रभावी और लक्षित पहुंच बनाई, जिससे मतदाताओं में यह भरोसा मजबूत हुआ कि केंद्र व राज्य का समन्वय विकास की गति को और तेज करेगा। इन चुनावों का एक बड़ा आकर्षण चिराग पासवान का उभार रहा। उन्होंने यह साबित कर दिया कि वे किसी के "मोहरा" नहीं, बल्कि भविष्य के निर्णायक खिलाड़ी हैं। उनके आक्रामक और आत्मविश्वासी अभियान ने युवा और दलित वर्ग में नई ऊर्जा जगाई। एनडीए के भीतर उनकी भूमिका महज सांकेतिक नहीं थी, बल्कि वास्तविक जनाधार और असर से भरपूर रही। सीटों पर उनकी उल्लेखनीय पकड़ ने यह संदेश दिया कि वे आने वाले वर्षों में बिहार की राजनीति को नए सिरे से परिभाषित कर सकते हैं। यह भी सच है कि उनकी बढ़ती लोकप्रियता नीतीश कुमार के लिए संतुलन साधने की चुनौती भी बन सकती है, लेकिन यदि गठबंधन समन्वय बनाए रखता है, तो बिहार को इससे मजबूत नेतृत्व का लाभ मिल सकता है। अब सबसे महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि इस ऐतिहासिक जीत के बाद बिहार किस दिशा में आगे बढ़ेगा। जनता की अपेक्षाएँ बहुत ऊँची हैं-सुरक्षित समाज, संवेदनशील प्रशासन, भ्रष्टाचार पर अंकुश और विकास की तेज रफ्तार। कानून-व्यवस्था बिहार की राजनीति का सबसे संवेदनशील मुद्दा रहा है। लोग चाहते हैं कि अपराध-नियंत्रण में सुधार हो, पुलिस प्रशासन आधुनिक और जवाबदेह बने, और न्यायिक प्रक्रियाओं में तेजी आए। एनडीए के पास केंद्र और राज्य दोनों के संसाधन और राजनीतिक सामर्थ्य है, इसलिए उससे उम्मीद यह है कि वह "सुशासन का दूसरा अध्याय" लिखने की दिशा में ठोस कदम उठाएगा। भाजपा न सिर्फ सबसे बड़ी पार्टी बनकर उभरी है, बल्कि जेडीयू के बगैर भी वह एनडीए के अन्य सहयोगियों के साथ जादुई आंकड़े को पार करती नजर आ रही है। ऐसे में नीतीश कुमार के लिए भाजपा के साथ किसी तरह का बिहार में बार्गेनिंग करना आसान नहीं रह गया है। भाजपा के शीर्ष नेतृत्व की ओर से यह बार-बार दोहराया गया है कि चुनाव के बाद भी परिणाम चाहे जो भी आएं, गठबंधन के चेहरे नीतीश कुमार ही बने रहेंगे। जेडीयू की ओर से भी यह बात दोहराई गई है कि मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ही होंगे। फिलहाल इस पूरे चुनाव में महिला वोटर्स गेम चेंजर बताई जा रही हैं और ऐसा हुआ बिहार चुनाव से पहले महिला रोजगार योजना के तहत बिहार सरकार द्वारा महिलाओं के खाते में 10 हजार रुपये भेजे जाने से। वहीं चुनाव में महागठबंधन को बड़ा झटका लगा है। निश्चित ही इन चुनाव परिणामों में बिहार का मतदाता अधिक सजग एवं विवेकशील दिखाई दिया हैं। वह जानता है कि सत्ता परिवर्तन से अधिक जरूरी है संस्कृति परिवर्तन, राजनीतिक शुचिता, विकास, कानून व्यवस्था और प्रशासनिक जवाबदेही। इस चुनाव ने केवल विधानसभा की सीटें तय नहीं की है, बल्कि यह तय किया है कि अब बिहार की जनता अपनी पुरानी परछाइयों से निकलकर प्रकाश की ओर बढ़ेगी। क्योंकि बिहार में पिछड़ेपन, भ्रष्टाचार, अराजकता की चर्चा तो होती रही है, लेकिन इन जटिल से जटिलतर होती समस्याओं से बाहर निकलने के रास्ते दिखाई नहीं दिये।

मेष राशिः आज आपका मन आध्यात्म के प्रति अधिक रहेगा। परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान पर जाने का प्लान बनायेंगे। ऑफिस में किसी काम को लेकर आपकी तारीफ़ होगी। इस राशि के नवविवाहितों के लिए आज का दिन काफी अच्छा रहने वाला है। रचनात्मक काम से आपको धन लाभ होगा।

वृष राशिः आज आपका दिन शानदार रहेगा। आज आपके काम आपके मन-मुताबिक पूरे होंगे। मित्रों के साथ किसी खास विषय पर बातचीत होगी, जिससे आपको ही फायदा होगा। किसी भी काम को करने में पूरा मन लगेगा। आपका दाम्पत्य जीवन मधुर रहेगा। आपको नए काम को करने के लिये कुछ अच्छे अवसर मिलेंगे।

मिथुन राशिः आज आपका दिन ठीक-ठाक रहेगा। इस राशि के स्टूडेंट्स को कड़ी मेहनत करने की जरूरत है। किसी भी काम को शुरू करने से पहले जीवनसाथी से राय-मशविरा कर लेना अच्छा रहेगा। आज आपको धैर्य और संयम के साथ अपने कार्यों को पूरा करने की कोशिश करनी चाहिए। परिवार के साथ बैठकर बात करने से पारिवारिक समस्याओं का हल निकलेगा।

कर्क राशिः आज थोड़ी-सी मेहनत से आपको बड़ा मुनाफा मिलने वाला है। समाज में आपका मान-सम्मान बढ़ेगा। रूका हुआ काम अगर फिर से शुरू करेंगे, तो वह जरुर पूरा हो जायेगा। जीवनसाथी के साथ किसी अच्छे रेस्टोरेंट में डिनर करने का मन बनायेंगे। इस राशि के कंप्यूटर के स्टूडेंट्स के लिए आज का दिन बेहतर है।

सिंह राशिः आज आपका दिन फेवरेबल रहेगा। लोगों का विश्वास आप पर बना रहेगा। इस राशि के हाई एजुकेशन पाने की ख्वाहिश रखने वाले स्टूडेंट्स के लिये आज का दिन अनुकूल है। बच्चों की तरफ से शुभ समाचार मिलेगा। घर का माहौल खुशनुमा बना रहेगा। दाम्पत्य जीवन में आपसी सामंजस्य उत्तम रहेगा। सेहत पहले से बेहतर बनी रहेगी। नए लोगों से मुलाकात भविष्य के लिए लाभदायक होगी।

कन्या राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। आज आपको ऑफिस के अधिकारियों के साथ ताल-मेल बनाकर कार्य करने की जरुरत है। आज आपको धन लाभ के नए सोर्स नजर आयेंगे। आपको परिवार के किसी काम से यात्रा करनी पड़ेगी।

तुला राशिः आज आपका दिन पहले की अपेक्षा अच्छा रहेगा। आज ऑफिस में बड़े अधिकारियों का सहयोग प्राप्त होगा। आमदनी में इज़ाफ़ा होने के आसार नज़र आ रहे हैं। पूरे दिन खुद को तरोताज़ा महसूस करेंगे। इस राशि के राजनीति से जुड़े लोगों के लिये आज का दिन बेहद अच्छा है।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन मिला-जुला रहेगा। आज इलेक्ट्रॉनिक सामान की खरीदारी करने का मन बनायेंगे। किसी कोर्ट केस का फैसला आने में देर होगी। आप जो भी कार्य करने की सोचेंगे, उसे लेकर पॉज़िटिव नज़रिया रखने से वह तय वक्त में पूरा हो जायेगा।

धनु राशिः आज आपका दिन अनुकूल रहेगा। इस राशि के लवमेट के लिए आज का दिन बेहतर रहेगा। जरूरतमंद मित्रों की तरफ आप मदद का हाथ बढ़ायेंगे। आज आपकी आर्थिक स्थिति में सुधार होगा। इस राशि के छात्रों को अधिक मेहनत करने की जरुरत है।

मकर राशिः आज आपका दिन बढ़िया रहेगा। आप परिवार वालों के साथ अच्छा वक्त बिताएंगे। इस राशि के जो लोग मार्केटिंग से जुड़े हुए हैं, उन्हें तरक्की के कई सुनहरे मौके मिलेंगे। किसी जरूरतमंद की मदद करने से आपको आनंद की अनुभूति होगी। आज कार्यक्षेत्र में चुनौतियों का सामना करने में सक्षम रहेंगे। आज आपका खुशनुमा व्यवहार घर में अच्छा माहौल बनायेगा। आज आप कुछ नया करने का प्रयास करेंगे, इसमें आपको सफलता भी मिलेंगी।

कुम्भ राशिः आज आपका दिन अच्छा रहेगा। घर में खुशी का माहौल बनेगा। संतान पक्ष से आपको खुशी मिलेगी। जीवनसाथी के साथ आपका तालमेल बढ़िया रहेगा। करोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। आज आप अपने ज्यादातर कार्य समय रहते पूरा करने में सफल होंगे।

मीन राशिः आज आप खुद को एनर्जी से भरा महसूस करेंगे। आप जिस काम को करेंगे, वो समय से पहले पूरा हो जायेगा। इस राशि के इंजीनीयर्स अपने अनुभव का प्रयोग सही दिशा में करेंगे। किसी जरूरी काम में जीवनसाथी की सलाह लेना फायदेमंद रहेगा। प्राइवेट जॉब करने वाले लोगों के लिए आज का दिन अच्छा रहने वाला है। अधिकारियों से खास मामलों पर बातचीत होगी।

सूरत-मुंबई वाया अहमदाबाद से मेवाड़ तक ट्रेन सेवा की सख्त जरूरत, प्रवासी राजस्थानी समाज की वर्षों पुरानी मांग

कांतिलाल मांडोत

भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई और औद्योगिक शहर सूरत में राजस्थान के लाखों प्रवासी रहते हैं, विशेषकर मेवाड़ क्षेत्र चितौड़गढ़, राजसमंद, उदयपुर, नाथद्वारा, गोगुन्दा, भीलवाड़ा और आसपास के जिलों से। ये प्रवासी न केवल गुजरात और महाराष्ट्र की अर्थव्यवस्था में योगदान देते हैं, बल्कि अपने गृहप्रदेश राजस्थान की आर्थिक धारा में भी नियमित रूप से धन भेजकर उसे सशक्त करते हैं। सूरत सिल्क सिटी और डायमंड नगरी के नाम से जानी जाती है।यहां सालाना कपड़ा उधोग और हीरा का खरबो का व्यवसाय होता है।केंद्र सरकार को अरबो रुपये का राजस्व सूरत से मिलता है।सूरत में वर्षो से जैन समाज सहित अन्य जातिवर्ग के लोग उधोग से जुड़े हुए है।इनके लिए बड़ी परेशानी आवागमन की बनी हुई है।मुम्बई ,सूरत ,वाया अहमदाबाद से उदयपुर चितौड़गढ़ के लिए एक भी ट्रेन उपलब्ध नही है।हम समझ सकते है कि आठ लाख प्रवासियों के लिए आवाजाही की कितनी मुश्किलें पैदा होती होगी। फिर भी यह विडंबना ही है कि इतनी बड़ी संख्या में प्रवासी होने के बावजूद सूरत या मुंबई से वाया अहमदाबाद मेवाड़ तक एक भी नियमित ट्रेन सेवा उपलब्ध नहीं है।

मेवाड़ से सूरत-मुंबई का गहरा संबंध-सदियों से मेवाड़ के लोग मेहनती, व्यापारिक और तकनीकी दक्षता के लिए जाने जाते हैं। आज सूरत के वस्त्र उद्योग, डायमंड पॉलिशिंग, और छोटे-बड़े व्यापारों में मेवाड़ियों की गहरी जड़ें हैं। अनुमान है कि सूरत और आसपास के क्षेत्रों में आठ लाख से अधिक राजस्थानी प्रवासी रहते हैं, जिनमें से अधिकांश का मूल निवास चितौड़गढ़, राजसमंद, उदयपुर, बांसवाड़ा और डूंगरपुर जिलों से है।यह वर्ग त्योहारों, शादियों, धार्मिक आयोजनों और पारिवारिक कारणों से अक्सर अपने गृहजिले जाता है। किंतु यातायात के सीमित विकल्पों के कारण उन्हें भारी आर्थिक और शारीरिक परेशानी झेलनी पड़ती है

रोज ट्रेन नहीं, केवल बसों का सहारा-वर्तमान में सूरत और मुंबई से मेवाड़ के लिए कोई सीधी ट्रेन नहीं चलती।लोगों को या तो अहमदाबाद, हिम्मतनगर, या उदयपुर तक पहुंचने के लिए अलग-अलग ट्रेनें पकड़नी पड़ती हैं, या फिर निजी बस सेवाओं पर निर्भर रहना पड़ता है।हालांकि साप्ताहिक ट्रेनों का संचालन नाकाफी है।त्योहारों के सीजन में यह बस सेवाएँ ही मेवाड़ तक लोगों को पहुंचाने का मुख्य साधन बनती हैं ।परंतु समस्या यह है कि इन बसों की संख्या लगभग तीन हजार तक पहुँच जाती है, और वे प्रति व्यक्ति 2500 से 3000 रुपये तक किराया वसूलती हैं।एक सामान्य मजदूर या मध्यमवर्गीय परिवार के लिए यह किराया बहुत भारी पड़ता है। वहीं यात्रा में 18 से 20 घंटे तक का समय लगता है, जिसमें आराम, सुरक्षा और भोजन की कोई गारंटी नहीं होती।

रेल सेवा से क्या होगा लाभ. प्रवासी जनता को सुविधा-रोज़गार के सिलसिले में सूरत और मुंबई में रह रहे लाखों प्रवासी राजस्थानी एक सस्ती, सुरक्षित और तेज़ यात्रा सुविधा पा सकेंगे। राजस्थान पर्यटन को प्रोत्साहन मिल रहा है।यदि ट्रेन वाया उदयपुर, राजसमंद और चितौड़गढ़ से गुजरे, तो यह पर्यटकों के लिए भी एक बेहतर मार्ग बनेगा। मेवाड़ के ऐतिहासिक किले, झीलें और मंदिर इस मार्ग को लोकप्रिय बना देंगे। राजस्थान,गुजरात और केंद्र में भाजपा की सरकार होते हुए भी प्रवासियों को इतना बडा लम्बा इंतजार कराया जा रहा है।यह अनुचित है। रेल सेवा से सामान का आवागमन आसान होगा। सूरत के व्यापारिक केंद्रों और मेवाड़ के हस्तशिल्प-उद्योगों के बीच बेहतर संपर्क बनेगा। ट्रेन शुरू होने से निजी बस संचालकों द्वारा किए जा रहे किराये के शोषण पर अंकुश लगेगा। पर्यावरणीय दृष्टि से लाभदायक है।रेल यात्रा बसों की तुलना में ईंधन की दृष्टि से अधिक किफायती और पर्यावरण-अनुकूल है। प्रवासी समाज के संगठनों, विशेषकर राजस्थान मेवाड़ प्रवासी समिति सूरत, मेवाड़ ट्रस्ट मुंबई, और उदयपुर विकास मंच द्वारा पिछले कई वर्षों से यह मांग उठाई जा रही है कि मुंबई से वाया अहमदाबाद होकर चितौड़गढ़-उदयपुर के लिए एक दैनिक ट्रेन चलाई जाए।कई बार रेल मंत्री को ज्ञापन भी सौंपे गए हैं। जनप्रतिनिधियों ने संसद में प्रश्न उठाए हैं, लेकिन अभी तक कोई ठोस निर्णय नहीं हुआ है। रेलवे का तर्क है कि अहमदाबाद से उदयपुर लाइन पर पहले से ही सीमित क्षमता है, और नई ट्रेनों के लिए पथ (path) उपलब्ध नहीं है। लेकिन अब यह कोई समस्या नही है।ब्रॉडगेज लाइन बिछी हुई है।और अहमदाबाद से साप्ताहिक ट्रेन का संचालन भी है।हालांकि, हाल के वर्षों में उदयपुर-अहमदाबाद सेक्शन का विद्युतीकरण और डबल लाइन कार्य लगभग पूरा हो चुका है, इसलिए तकनीकी रूप से अब कोई बड़ी बाधा नहीं रह गई है। सूरत ,भरुच, वडोदरा, अहमदाबाद , हिम्मतनगर उदयपुर चितौड़गढ़ राजसमंद – नाथद्वारा और जोकि गोगुन्दा उदयपुर का समावेश होता है।यह मार्ग गुजरात और राजस्थान के बीच न केवल सामाजिक बल्कि आर्थिक पुल का काम करेगा। रोजाना कम से कम दो ट्रेन चलाने से हजारों यात्रियों को राहत मिलेगी।नवरात्र, दीपावली, होली और गर्मियों की छुट्टियों के समय यह समस्या चरम पर होती है। बस टिकट न मिलने पर लोग ट्रेनों में खड़े होकर, किसी भी तरह सफर करते हैं। महिलाओं, बच्चों और बुजुर्गों को इस यात्रा में अत्यधिक कठिनाई होती है।त्योहारों पर जब लोग अपने घर पहुंचना चाहते हैं, तो रेल मार्ग का अभाव उन्हें भावनात्मक रूप से भी आहत करता है। राज्य सरकारों की भूमिका

राजस्थान और गुजरात दोनों सरकारें इस मुद्दे पर एक साझा पहल कर सकती हैं। यदि दोनों राज्य संयुक्त रूप से रेल मंत्रालय से आग्रह करें, तो रेलवे के लिए यह सेवा शुरू करना संभव होगा। उदयपुर, चितौड़गढ़ और राजसमंद के सांसदों व विधायकों को भी इस पर सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए। यह केवल यात्रा की सुविधा नहीं, बल्कि प्रवासी समाज के प्रति संवेदनशीलता का भी प्रतीक होगा।मेवाड़ी समाज जहां भी रहता है, वहाँ उसने विकास की कहानी लिखी है।सूरत, मुंबई, अहमदाबाद और पुणे में लाखों परिवारों ने अपने व्यवसाय स्थापित किए हैं।वे हर साल अपने गांवों में निवेश करते हैं ।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

युवा क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी बना राइजिंग स्टार्स का हीरो

एजेंसी, नई दिल्ली

एशिया कप राइजिंग स्टार्स में इंडिया-ए की ओर से खेलते हुए समस्तीपुर के 14 वर्षीय क्रिकेटर वैभव सूर्यवंशी ने अपनी विस्फोटक बल्लेबाजी से पूरे देश का ध्यान खींच लिया है। महज 14 साल की उम्र में 42 गेंदों पर 144 रन बनाने का कारनामा किसी भी युवा खिलाड़ी के लिए आसान नहीं होता, लेकिन वैभव ने इसे कर दिखाया। अपनी पारी में उन्होंने 15 छक्के और 11 चौके जड़े और यूएई के गेंदबाजों को पूरी तरह मात दी। इससे पहले, आईपीएल 2025 में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए उन्होंने गुजरात के खिलाफ 35 गेंद में शतक लगाकर भी अपने हुनर का प्रदर्शन किया था। वैभव की यह सफलता न सिर्फ उनकी व्यक्तिगत उपलब्धि है, बल्कि समस्तीपुर जिले के लिए भी गर्व की बात बन गई है। उनकी इस असाधारण पारी के बाद समस्तीपुर में उत्साह का माहौल है। स्थानीय लोग वैभव को केवल एक क्रिकेटर नहीं, बल्कि

आने वाली पीढ़ी के लिए प्रेरणा मान रहे हैं। जिले के युवा खिलाड़ी इस उपलब्धि से बेहद प्रभावित हैं और कहते हैं कि अपने ही जिले का बच्चा अंतरराष्ट्रीय मंच पर नाम कमा रहा है, यह गर्व और प्रेरणा का कारण है। वैभव की सफलता ने खेल के प्रति बच्चों में रुचि और जोश दोनों बढ़ा दिया है। स्थानीय खिलाड़ियों का कहना है कि वैभव का प्रदर्शन सिर्फ रन बनाने तक सीमित नहीं है, बल्कि यह संदेश भी देता है कि मेहनत और समर्पण से कुछ भी हासिल किया जा सकता है। युवा खिलाड़ी अमन कुमार ने कहा कि 144 रन किसी भी क्रिकेटर का मनोबल बढ़ाने वाला रिकॉर्ड है। वहीं, विकाश कुमार ने वैभव की विस्फोटक बल्लेबाजी और धैर्य की तारीफ करते हुए कहा कि इतने कम समय में इतनी बड़ी उपलब्धि हासिल करना किसी भी खिलाड़ी के लिए आसान नहीं होता। दूसरी ओर, रौशन जैसे अन्य युवा खिलाड़ी मानते हैं कि बिहार-झारखंड क्षेत्र से निकले इस युवा खिलाड़ी की सफलता नई पीढ़ी के लिए मार्गदर्शक साबित होगी। वैभव सिर्फ समस्तीपुर का ही नहीं, आने वाले समय का अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टार हैं। जिले के हर नागरिक उनकी उपलब्धियों पर गर्व महसूस कर रहा है और उन्हें भविष्य के मुकाबलों के लिए शुभकामनाएं दे रहा है। वैभव सूर्यवंशी की यह उपलब्धि यह दर्शाती है कि सही समय पर सही मेहनत और जूनून किसी भी उम्र में बड़े रिकॉर्ड बना सकता है। समस्तीपुर का यह उभरता सितारा निश्चित ही भारतीय क्रिकेट के लिए आने वाले वर्षों में प्रेरणा का स्रोत बनेगा

कोलकाता टेस्टः भारतीय टीम की पहली पारी 189 पर ढेर, मिली 30 रन की बढ़त

एजेंसी, कोलकाता

कोलकाता में जारी भारत–दक्षिण अफ्रीका टेस्ट के दूसरे दिन भारतीय टीम की पहली पारी बेहद फीकी रही। कोई भी बल्लेबाज बड़ी पारी नहीं खेल पाया। यहां तक कि 40 रन का आंकड़ा भी कोई पार नहीं कर सका। केएल राहुल ने संघर्ष करते हुए 39 रन जोड़े और टीम की तरफ से सर्वोच्च स्कोरर रहे। उनके अलावा वाशिंगटन सुंदर ने 82 गेंदों पर 29 रन, ऋषभ पंत ने 24 गेंदों पर 27 रन और रवींद्र जडेजा ने 45 गेंदों पर 27 रन बनाए। लगातार अंतराल पर गिरते विकेटों के चलते टीम इंडिया सिर्फ 62.2 ओवर में 189 रन बनाकर ऑलआउट हो गई। कप्तान शुभमन गिल गर्दन में चोट के कारण 4 रन पर रिटायर्ड हर्ट हुए और दोबारा बल्लेबाजी करने नहीं उतर सके। दक्षिण अफ्रीका की तरफ से सिमरोन हार्मर ने 4, मार्को यानसन ने 3, केशव महाराज और कार्बिन बॉश ने 1-1 विकेट लिया। दक्षिण अफ्रीका की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 55 ओवर में 159 रन बनाए थे। उसके जवाब में भारत 189 तक पहुंचा और इस तरह भारत को पहली पारी के आधार पर 30 रनों की बढ़त हासिल हुई।

दक्षिण अफ्रीका की पारी भी रही कमजोर– टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी दक्षिण अफ्रीकी टीम की शुरुआत भी उम्मीदों पर खरी नहीं उतरी। शीर्ष क्रम पूरी तरह लड़खड़ा गया और टीम 159 पर सिमट गई।

उनके लिए एडन मार्करम ने 31 रन की सबसे बड़ी पारी खेली। बाकी कोई भी बल्लेबाज़ 30 रन के पार नहीं जा सका और भारतीय गेंदबाजों ने उन्हें दबाव में रखते हुए जल्दी-जल्दी पवेलियन भेजा। भारत की तरफ से पहली पारी में जसप्रीत बुमराह ने 5, कुलदीप यादव और मोहम्मद सिराज ने 2-2 और अक्षर पटेल ने 1 विकेट लिया

मेसी–लौतारो की बदौलत अर्जेंटीना ने अंगोला को 2–0 से हराया

एजेंसी, पेरिस

लियोनल मेसी ने एक गोल दागा और एक गोल में अहम योगदान दिया, जिसकी बदौलत विश्व चैंपियन अर्जेंटीना ने शुक्रवार को खेले गए अंतरराष्ट्रीय दोस्ताना मैच में अंगोला को 2-0 से मात दी। मेसी ने 44वें मिनट में लौतारो मार्टिनेज को पास देकर टीम को बढ़त दिलाई। 82वें मिनट में भूमिकाएं बदलीं—इस बार मार्टिनेज ने शानदार असिस्ट दिया और मेसी ने गेंद को दूर कोने में शॉट लगाकर स्कोर 2-0 कर दिया। दोनों खिलाड़ियों को दूसरे हाफ के अंतिम चरण में बदल दिया गया। विश्व रैंकिंग में स्पेन के बाद दूसरे स्थान पर मौजूद अर्जेंटीना और उससे 87 स्थान नीचे खड़ी अंगोला के बीच यह परिणाम अपेक्षित था। मुकाबला राजधानी लुआंडा के "11 नवंबर

स्टेडियम" में अंगोला की स्वतंत्रता के 50 वर्ष पूरे होने के उपलक्ष्य में आयोजित किया गया। अर्जेंटीना ने 2026 विश्व कप क्वालिफिकेशन में 12 मैच जीते, दो ड्रॉ खेले और चार में हार का सामना किया, कुल 38 अंकों के साथ शीर्ष पर रहते हुए क्वालिफाई किया। दूसरी ओर, अंगोला जिसने आखिरी बार 2006 जर्मनी विश्व कप खेला था, 2026 क्वालिफायर में केवल दो मैच जीत सकी और ग्रुप विजेता केप वर्डे से 11 अंक पीछे रहकर बाहर हो गई।

आईपीएल 2026 ट्रेड अपडेटः कई बड़े खिलाड़ियों की टीम बदली, जानिए कौन कहां खेलेगा

एजेंसी, नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग 2026 (आईपीएल 2026) से पहले फ्रेंचाइजियों ने बड़े पैमाने पर ट्रेड किए हैं। लीग के कई दिग्गज खिलाड़ियों ने अपनी पुरानी टीमों को अलविदा कहकर नए रंग में उतरने की तैयारी कर ली है। आइए जानते हैं किस खिलाड़ी का हुआ क्या भविष्य—

रवींद्र जडेजा अब राजस्थान रॉयल्स में– सीनियर ऑलराउंडर और पूर्व चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) कप्तान रविंद्र जडेजा अब आईपीएल 2026 में राजस्थान रॉयल्स की जर्सी में नजर आएंगे। 12 सीजन तक सीएसके के लिए खेलने वाले जडेजा का लीग शुल्क 18 करोड़ से घटाकर 14 करोड़ कर दिया गया है।

संजू सैमसन का सीएसके में बड़ा मूव– राजस्थान रॉयल्स (आरआर) के कप्तान और स्टार विकेटकीपर-बैटर संजू सैमसन अब चेन्नई सुपर किंग्स का हिस्सा बन गए हैं। वे अपने मौजूदा शुल्क 18 करोड़ रुपये पर ही सीएसके से जुड़ेंगे। सैमसन अब तक 177 मैच खेल चुके हैं और सीएसके उनके करियर की तीसरी फ्रेंचाइज़ी होगी।

सैम करन भी पहुंचे राजस्थान– इंग्लैंड

के ऑलराउंडर सैम करन को सीएसके से ट्रेड कर राजस्थान रॉयल्स ने अपने साथ जोड़ा है। उनका शुल्क 2.4 करोड़ रुपये ही रहेगा। करन अब तक 64 आईपीएल मैच खेल चुके हैं।

मोहम्मद शमी अब एलएसजी के लिए खेलेंगे– अनुभवी तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी को सनराइजर्स हैदराबाद से ट्रेड कर लखनऊ सुपर जायंट्स ने शामिल किया है। 10 करोड़ रुपये शुल्क पर खरीदे गए शमी अब लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) से जुड़ेंगे। शमी 2023 में पर्पल कैप जीत चुके हैं और 119 मैच खेल चुके हैं।

मयंक मार्कंडेय की मुंबई इंडियंस में वापसी– लेग स्पिनर मयंक मार्कंडेय एक बार फिर मुंबई इंडियंस की जर्सी पहनेंगे। कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने उन्हें 30 लाख रुपये में खरीदा था और अब वे उसी शुल्क पर मुंबई इंडियंस (एमआई) से जुड़ेंगे। मार्कंडेय अब तक 37 विकेट झटक चुके हैं।

अर्जुन तेंदुलकर अब एलएसजी में– युवा ऑलराउंडर अर्जुन तेंदुलकर को मुंबई इंडियंस से ट्रेड कर लखनऊ सुपर जायंट्स ने शामिल किया है। वे 30 लाख रुपये के शुल्क पर ही एलएसजी से खेलेंगे।

नितीश राणा दिल्ली कैपिटल्स से जुड़ेंगे– बाएं हाथ के बल्लेबाज नितीश राणा को राजस्थान रॉयल्स से ट्रेड कर दिल्ली कैपिटल्स ने अपने साथ जोड़ा है। उनका मौजूदा शुल्क 4.2 करोड़ रुपये ही रहेगा। राणा 100 से अधिक मैच खेल चुके हैं और केकेआर की कप्तानी भी कर चुके हैं।

डोनोवन फरेरा की आरआर में वापसी– ऑलराउंडर डोनोवन फरेरा को दिल्ली कैपिटल्स से ट्रेड कर राजस्थान रॉयल्स ने दोबारा अपने साथ जोड़ा है। उनका शुल्क 75 लाख से बढ़ाकर 1 करोड़ रुपये कर दिया गया है। आईपीएल 2026 से पहले इन बड़े बदलावों ने नए सीजन की रोमांचक तस्वीर पहले ही दिखा दी है।

व्यापार

आंध्र प्रदेश के लॉजिस्टिक्स इको-सिस्टम को डिजिटल बनाने को एमओयू पर किए हस्ताक्षर

नई दिल्ली। नेशनल इंडस्ट्रियल कॉरिडोर डेवलपमेंट कॉरपोरेशन (एनआईसीडीसी), लॉजिस्टिक्स डेटा सर्विसेज लिमिटेड (एनएलडीएसएल) और आंध्र प्रदेश सरकार ने एक समझौता ज्ञापन (एमओयू) पर हस्ताक्षर किए हैं। इस सहयोग का उद्देश्य यूनिफॉयड लॉजिस्टिक्स इंटरफेस प्लेटफॉर्म (यूएलआईपी) का लाभ उठाकर आंध्र प्रदेश में लॉजिस्टिक्स परिदृश्य को डिजिटल बनाना है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय ने शनिवार को एक बयान में बताया कि शुक्रवार को विशाखापत्तनम में आयोजित 30वें सीआईआई भागीदारी शिखर सम्मेलन के अवसर पर केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल, आंध्र प्रदेश के मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू की उपस्थिति में एनआईसीडीसी के सीईओ

एवं एमडी तथा एनएलडीएसएल के अध्यक्ष रजत कुमार सैनी की उपस्थिति में इस एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। इस एमओयू पर औपचारिक रूप से इनकैप के वीसी एवं एमडी सीवी प्रवीण आदित्य और एनएलडीएसएल के सीईओ ताकायुकी कानो ने हस्ताक्षर किए। मंत्रालय के मुताबिक इस पहल के तहत आंध्र प्रदेश में सरकारी और निजी हितधारकों को राज्य के लॉजिस्टिक्स प्रचालनों और प्रदर्शन संकेतकों की वास्तविक समय में जानकारी प्रदान करने के लिए एक मज़बूत एकीकृत डिजिटल प्लेटफ़ॉर्म विकसित और कार्यान्वित किया जाएगा। इस प्लेटफ़ॉर्म का उद्देश्य समन्वय को बढ़ाना, दक्षता में सुधार करना और सभी क्षेत्रों में सूचित निर्णय लेने में सहायता करना है, जिससे हितधारकों को वास्तविक समय की जानकारी की निर्बाध सुविधा प्राप्त हो सके। मंत्रालय के मुताबिक इनकैप के जरिए आंध्र प्रदेश सरकार एनएलडीएसएल के साथ मिलकर एक इंटीग्रेटेड लॉजिस्टिक्स डैशबोर्ड बनाएगी, ताकि राज्य के विभिन्न विभागों में लॉजिस्टिक्स से संबंधित प्रमुख प्रदर्शन संकेतकों की निगरानी की जा सके। इस डैशबोर्ड से प्राप्त विश्लेषणात्मक जानकारी और कार्रवाई योग्य रिपोर्टों का उपयोग यूएलआईपी की क्षमताओं का लाभ उठाकर राज्य के लॉजिस्टिक्स इको-सिस्टम को सुदृढ़ और उन्नत बनाने के लिए किया जाएगा। मंत्रालय के मुताबिक यह समझौता ज्ञापन उन्नत प्रौद्योगिकी समाधानों को लॉजिस्टिक्स विकास के साथ एकीकृत करने में एक बड़ी उपलब्धि है और कुशल, आधुनिक तथा लचीली आपूर्ति-श्रृंखला अवसंरचना में वैश्विक रूप से एक अग्रणी देश के रूप में भारत की स्थिति को सुदृढ़ करने में योगदान देता है। यह साझेदारी राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति के अनुरूप विश्वस्तरीय लॉजिस्टिक्स अवसंरचना के निर्माण की दिशा में उल्लेखनीय कदम है। यूलिप एक डिजिटल गेटवे है, जो उद्योग के हितधारकों को एपीआई-आधारित एकीकरण के माध्यम से विभिन्न सरकारी प्रणालियों से लॉजिस्टिक्स-संबंधी डेटासेट तक पहुंचने में सक्षम बनाता है। यूलिप ने 136 एपीआई के माध्यम से 11 मंत्रालयों की 44 प्रणालियों के साथ एकीकरण किया है, जो 2,000 से अधिक डेटा क्षेत्रों को कवर करता है। यूलिप का उपयोग करने वाली कंपनियों द्वारा 210 से अधिक एप्लिकेशन विकसित किए गए हैं, जिसके परिणामस्वरूप 200 करोड़ से अधिक एपीआई लेन-देन हुए हैं।

क्यू3 सिग्नेचर लाइन और क्यू3 स्पोर्टबैक सिग्नेचर लाइन लॉन्च

मुंबई। भारतीय बाजार में ऑडी इंडिया कंपनी ने अपनी क्यू सीरीज में नया अपडेट पेश करते हुए क्यू3 सिग्नेचर लाइन और क्यू3 स्पोर्टबैक सिग्नेचर लाइन को लॉन्च किया है। लग्जरी बाइक निर्माता कंपनी ऑडी इंडिया द्वारा नई सिग्नेचर लाइन सिर्फ टेक्नोलॉजी वैरिएंट में दी गई है, जिसमें कई एक्सक्लूसिव एलिमेंट शामिल हैं। इनमें इल्यूमिनेटेड ऑडी रिंग्स एंट्री एलईडी लैंप, खास ऑडी डेकल्स, और डायनामिक व्हील हब कैप्स दिए गए हैं, जो चलते वक्त लोगो को स्थिर रखते हैं। इसके अलावा, स्टेनलेस स्टील पैडल सेट, केबिन फ्रेगरेंस डिस्पेंसर, और मेटैलिक की कवर जैसे लग्जरी एक्सेसरीज भी जोड़े गए हैं। फीचर्स के लिहाज से इसमें पार्क असिस्ट प्लस, 18-इंच S-डिजाइन एलॉय व्हील्स, पीछे बैठे यात्रियों के लिए अतिरिक्त यूएसबी पोर्ट और 12-वोल्ट आउटलेट जैसे आधुनिक

फीचर्स शामिल हैं। ऑडी ने इस एडिशन में एक नया प्रोग्रेसिव रेड कलर भी पेश किया है, जो पहले से मौजूद नवर्रा ब्लू, ग्लेशियर व्हाइट, मिथोस ब्लैक, मैनहैटन ग्रे और डिस्ट्रिक्ट ग्रीन जैसे रंगों की श्रृंखला में शामिल हुआ है। लॉन्च इवेंट के दौरान ऑडी इंडिया के हेड बलबीर सिंह ढिल्लों ने कहा कि "क्यू3 और क्यू5 हमारे पोर्टफोलियो की मजबूत नींव हैं। सिग्नेचर लाइन के जरिए हम अपने ग्राहकों को एक और प्रीमियम और एक्सक्लूसिव अनुभव दे रहे हैं।" ऑडी की नई क्यू3 और क्यू3 स्पोर्टबैक सिग्नेचर लाइन अब देशभर की ऑडी डीलरशिप्स पर लिमिटेड यूनिट्स में उपलब्ध हैं। कंपनी को उम्मीद है कि यह एडिशन युवा लग्जरी एसयूवी ग्राहकों को खासा पसंद आएगा। कंपनी ने क्यू3 की एक्स-शोरूम कीमत 52.31 लाख रुपए और क्यू3 स्पोर्टबैक की कीमत 53.55 लाख रुपए तय की है।

डीजल इंजन को सबसे किफायती विकल्प मानते है ग्राहक

नई दिल्ली। भारतीय ग्राहकों का झुकाव पेट्रोल और सीएनजी के बढ़ते विकल्पों के बावजूद डीजल कारों की ओर बना हुआ है। खासकर हाईवे या ग्रामीण इलाकों में रहने वाले लोग डीजल इंजन को अब भी सबसे किफायती विकल्प मानते हैं। अगर आपका बजट 8 से 9 लाख रुपये के बीच है, तो बाजार में कई ऐसी डीजल कारें मौजूद हैं जो दमदार होने के साथ-साथ फीचर्स के मामले में भी कमाल हैं। महिंद्रा बोलेरो देश की सबसे भरोसेमंद एसयूवी में से एक है, जो खराब सड़कों पर भी शानदार परफॉर्मेंस देती है। इसकी कीमत लगभग रुपए 7.99 लाख से शुरू होती है और इसमें 1.5-लीटर एमहॉक75 डीजल इंजन मिलता है, जो 75बीएचपी की पावर और 210

एनएम टॉर्क जेनरेट करता है। टाटा अल्ट्रोज डीजल अपने सेगमेंट की एकमात्र डीजल हैचबैक है, जिसकी कीमत करीब रुपए 8.10 लाख है। इसमें 1.5-लीटर इंजन दिया गया है जो 90बीएचपी की पावर और 200एनएम टॉर्क देता है। इसमें अब 360-डिग्री कैमरा, सनरूफ और 10.25-इंच टचस्क्रीन जैसे प्रीमियम फीचर्स भी मिलते हैं। महिंद्रा बोलेरो नियो रुपए 8.49 लाख से शुरू होती है और इसमें 1.5-लीटर एमहाक100 इंजन मिलता है, जो 100बीएचपी की पावर और 260एनएम टॉर्क देता है। यह बोलेरो की मजबूती के साथ अधिक मॉडर्न डिजाइन और आराम लेकर आती है। महिंद्रा एक्सयूवी 3एक्स0 रुपए 8.95 लाख से शुरू होती है। इसमें 1.5-लीटर डीजल इंजन दिया गया है जो 115बीएचपी की पावर और 300 एनएम टॉर्क जेनरेट करता है। यह एसयूवी वायरलेस चार्जिंग, 10.25-इंच डिस्प्ले और सनरूफ जैसे हाई-टेक फीचर्स के साथ आती है। किआ सोनेट डीजल रुपए 8.98 लाख से शुरू होती है और इसमें 1.5-लीटर डीजल इंजन दिया गया है जो 114बीएचपी की पावर और 250 एनएम टॉर्क देता है।

यामाहा कंपनी ने नया स्कूटर ईसी-06 पेश किया

नईदिल्ली। भारतीय इलेक्ट्रिक स्कूटर बाजार में बड़ा कदम उठाते हुए यामाहा कंपनी ने नया ईसी-06 पेश किया है। कंपनी ने इसे आधुनिक डिजाइन, बेहतर परफॉर्मेंस और लंबी रेंज के साथ तैयार किया है। यह स्कूटर बेंगलुरु की स्टार्टअप कंपनी रिवर के साथ साझेदारी में विकसित किया गया है और इसके लोकप्रिय मॉडल रिवर इंडी के प्लेटफॉर्म पर आधारित है। यह स्कूटर 2026 की शुरुआत में भारतीय सड़कों पर उतरने के लिए तैयार होगा। यामाहा ईसी-06 का डिजाइन पारंपरिक इलेक्ट्रिक स्कूटरों से अलग और ज्यादा स्पोर्टी है। इसकी बॉडी को बॉक्सीनुमा और कोणीय रूप में तैयार किया गया है, जिससे इसे एक फ्यूचरिस्टिक लुक मिलता है। फ्रंट में वर्टिकल ट्विन-एलईडी हेडलाइट सेटअप दिया गया है, जो यामाहा के सिग्नेचर डिजाइन लैंग्वेज को दर्शाता है। पीछे का हिस्सा कॉम्पैक्ट और आकर्षक है, जो शहरी परिवेश में इसे और प्रीमियम लुक देता है। इसमें 4केडब्ल्यूएच की फिक्स्ड बैटरी दी गई है जो 6.7केडब्ल्यू पावर आउटपुट वाले मोटर को ऊर्जा देती है। कंपनी का दावा है कि यह स्कूटर 90 किलोमीटर प्रति घंटा की टॉप स्पीड और 160 किलोमीटर की रेंज प्रदान करता है। घरेलू

सॉकेट से इसे पूरी तरह चार्ज करने में करीब नौ घंटे लगते हैं। यामाहा ने इसमें तीन ड्राइविंग मोड – इको, स्टैंडर्ड और पावर – दिए हैं, साथ ही रिवर्स असिस्ट फंक्शन भी जोड़ा गया है। स्कूटर में डिजिटल एलसीडी इंस्ट्रूमेंट क्लस्टर, इनबिल्ट टेलिमैटिक्स यूनिट और सिम कनेक्टिविटी जैसी आधुनिक सुविधाएं मौजूद हैं। यामाहा ईसी-06 का निर्माण कर्नाटक के होसकोटे स्थित रिवर के संयंत्र में किया जाएगा। कंपनी ने कीमत का खुलासा नहीं किया है, लेकिन अनुमान है कि यह लगभग 1.43 लाख रुपये (एक्स-शोरूम) में लॉन्च किया जाएगा।

इंडिगो, अकासा एयर 25 दिसंबर से नवी मुंबई हवाई अड्डे से उड़ानें शुरू करेंगी

मुंबई। बजट एयरलाइन इंडिगो और अकासा एयर 25 दिसंबर से नवनिर्मित नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से अपने उड़ानों का संचालन शुरू करेगी। एयरलाइन ने शनिवार को एक बयान में कहा कि वह 25 दिसंबर से नवनिर्मित नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से 10 शहरों के लिए घरेलू हवाई सेवाओं के साथ उड़ान संचालन शुरू करेगी। इसके तहत घरेलू हवाई सेवाओं के जरिये 10 शहरों को जोड़ा जाएगा। वहीं, अकासा एयर ने कहा कि वह 25 दिसंबर से चरणबद्ध तरीके से नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से परिचालन शुरू करेगी। इंडिगो ने कहा कि वह 25 दिसंबर से भविष्य के लिए तैयार एयरपोर्ट को दिल्ली, बेंगलुरु, हैदराबाद, अहमदाबाद, लखनऊ, उत्तरी गोवा (मोपा), जयपुर, नागपुर, कोचीन और मंगलुरु सहित भारत के 10 शहरों से जोड़ेगा। कंपनी ने कहा

कि वह मुंबई महानगर क्षेत्र के दूसरे हवाई अड्डे से अपने परिचालन का विस्तार करने की योजना बना रही है। इसमें समय के साथ और अधिक गंतव्यों को जोड़ा जाएगा। एयरलाइन ने कहा कि नवी मुंबई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा को मौजूदा मुंबई अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे के पूरक के रूप में डिजाइन किया गया है तथा यह भारत की वित्तीय राजधानी से हवाई यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करेगा। रणनीतिक रूप से स्थित एनएमआईए से क्षेत्रीय संपर्क बढ़ाने और पश्चिमी भारत में आर्थिक विकास को समर्थन देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने की उम्मीद है।

खूबसूरती और फिटनेस के राज से पर्दा हटाया रेखा ने

बॉलीवुड अभिनेत्री रेखा बढ़ती उम्र के बावजूद उनकी त्वचा की चमक और चेहरे की ताजगी देखकर फैंस हमेशा यही सोचते हैं कि आखिर उनकी खूबसूरती का राज क्या है। अब रेखा ने खुद इस राज़ से पर्दा उठा दिया है। हाल ही में उन्होंने अपनी जिंदगी और खूबसूरती से जुड़ी बातें साझा कीं। शो के एक वीडियो में रेखा कहती नजर आईं, "मुझे हर चीज़ से प्यार है। अपने काम से, दोस्तों से, दुनिया से, नेचर से... लेकिन सबसे ज़रूरी है खुद से प्यार करना। मुझे खुद से प्यार है।" रेखा का यह बयान सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है, और फैंस उनकी सादगी और आत्मविश्वास की खूब तारीफ कर रहे हैं। इससे पहले एक इंटरव्यू में रेखा ने अपने फिटनेस रूटीन के बारे में बताया था। उन्होंने कहा था कि वह हर सुबह वर्कआउट और मेडिटेशन करती हैं। उनके अनुसार, फिट रहने के लिए जिम जरूरी नहीं है बल्कि डांस, बागवानी और घरेलू काम भी एक शानदार व्यायाम हैं। रेखा का मानना है कि इन गतिविधियों से शरीर ही नहीं, मन भी संतुलित रहता है। रेखा अपने खाने-पीने की आदतों पर भी विशेष ध्यान देती हैं। वह दिनभर में लगभग 12 गिलास पानी पीती हैं ताकि शरीर और त्वचा दोनों डिटॉक्स रहें। इसके अलावा, वह फलों का जूस और नारियल पानी अपनी डाइट में शामिल करती हैं। तली-भुनी और ओवरकुक्ड चीज़ों से वह सख्ती से परहेज करती हैं। रेखा रोजाना रात 8 बजे तक डिनर कर लेती हैं ताकि शरीर को आराम मिले और नींद पूरी हो सके। रेखा आयुर्वेद और पारंपरिक सौंदर्य उपचारों पर भी भरोसा करती हैं। वह नियमित रूप से अरोमा थेरेपी और आयुर्वेदिक स्पा ट्रीटमेंट लेती हैं। बालों और त्वचा की देखभाल के लिए वह आंवला, शिकाकाई, मेथी और नारियल तेल से बना प्राकृतिक हेयरपैक इस्तेमाल करती हैं। रेखा का कहना है कि असली खूबसूरती सिर्फ बाहरी नहीं होती, बल्कि अंदर से खुश और आत्मविश्वासी रहने में है। शायद यही वजह है कि दशकों बाद भी उनकी मुस्कान और ग्लो सबको मंत्रमुग्ध कर देता है। मालूम हो कि रेखा अपनी अद्भुत खूबसूरती, ग्रेस और चार्म से आज भी फैंस का दिल जीतती रहती हैं। चाहे फिल्मों का सेट हो, किसी पेज-थ्री पार्टी का माहौल या कोई बड़ा इवेंट रेखा की मौजूदगी हर बार लोगों का ध्यान अपनी ओर खींच लेती है।

जूटोपिया 2 में अपनी आवाज का जादू बिखेरेगी श्रद्धा कपूर

बॉलीवुड अभिनेत्री श्रद्धा कपूर अब हॉलीवुड में भी अपनी आवाज का जादू बिखेरेगी। एक्ट्रेस श्रद्धा ने इंस्टाग्राम पर ऐलान किया कि वे डिज्नी की मशहूर एनिमेटेड फिल्म 'जूटोपिया 2' में मुख्य किरदार जूडी हॉप्स को हिंदी में अपनी आवाज देंगी। श्रद्धा कपूर ने एक तस्वीर साझा की, जिसमें वह जूडी हॉप्स के साथ बैठी दिखाई दे रही हैं। श्रद्धा ने पोस्ट के कैप्शन में लिखा, "'जूटोपिया 2' परिवार में शामिल होकर और जूडी हॉप्स की आवाज देने के लिए बहुत खुश हूं। वह बहादुर, निडर, उत्साही और बेहद प्यारी है। मैं उसे बचपन से पसंद करती हूं। आज आपके लिए एक खास सरप्राइज भी आने वाला है, जुड़े रहिए।' उनकी इस घोषणा के बाद सोशल मीडिया पर फैंस बेहद उत्साहित हैं। कई यूजर्स ने कमेंट करते हुए लिखा कि श्रद्धा इस किरदार के लिए बिल्कुल परफेक्ट हैं और उनकी आवाज फिल्म को नया जीवन देगी। बता दें कि 'जूटोपिया' 2016 में रिलीज हुई डिज्नी की एनिमेटेड फल्मि थी, जिसमें एक खरगोश पुलिस अधिकारी जूडी हॉप्स और एक चालाक लोमड़ी निक वाइल्ड मिलकर शहर में फैले रहस्यमय षड्यंत्र का पर्दाफाश करते हैं। फिल्म को दर्शकों से शानदार प्रतिक्रिया मिली थी और इसे ऑस्कर अवॉर्ड से भी सम्मानित किया गया था। अब इसके सीक्वल 'जूटोपिया 2' का निर्देशन जारेड बुश और जोसी ट्रिनिडैड कर रहे हैं। श्रद्धा कपूर के वर्कफ्रंट की बात करें तो वे जल्द ही निर्देशक लक्ष्मण उटेकर की एक पीरियड ड्रामा फिल्म में नजर आएंगी, जिसकी शूटिंग नवंबर से शुरू होने की संभावना है। इसके अलावा, उन्होंने निर्माता एकता कपूर के साथ मल्टी-फिल्म कॉन्ट्रैक्ट साइन किया है और वे उनके एक अनटाइटल्ड प्रोजेक्ट का हिस्सा भी होंगी। रिपोर्ट्स के मुताबिक, श्रद्धा 'धूम' फ्रैंचाइज़ी के अगले पार्ट के लिए भी बातचीत में हैं।

जरीन खान की प्रार्थना सभा में गिरने के बाद जितेंद्र की तबीयत पर बोले तुषार कपूर

अभिनेता संजय खान की पत्नी जरीन खान की प्रार्थना सभा में बॉलीवुड की कई हस्तियां श्रद्धांजलि देने पहुंचीं। इसी दौरान एक पल ऐसा आया, जिसने सभी को चिंतित कर दिया। दिग्गज अभिनेता जितेंद्र समारोह स्थल में प्रवेश करते समय अचानक संतुलन खो बैठे और गिर गए। मौके पर मौजूद लोगों ने तुरंत उनकी मदद की और उन्हें संभाला। यह पूरा घटनाक्रम कैमरे में कैद हो गया और वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो गया। वीडियो देखने के बाद जितेंद्र के प्रशंसकों में चिंता बढ़ गई, जिसके बाद अभिनेता तुषार कपूर ने अपने पिता की स्थिति को लेकर स्पष्टीकरण दिया। तुषार ने कहा, "वह बिल्कुल ठीक हैं, चिंता की कोई बात नहीं है। यह सिर्फ मामूली सी गिरावट थी।" उन्होंने बताया कि 83 वर्षीय जितेंद्र अब पूरी तरह स्वस्थ हैं और किसी तरह की चोट नहीं आई है। सोशल मीडिया पर वायरल हुए वीडियो में अभिनेता को खुद उठकर संभलते हुए देखा गया था, जिससे उनके प्रशंसकों को भी राहत मिली। समारोह में शामिल रहे कलाकारों ने भी जितेंद्र की कुशलता की पुष्टि की और कहा कि उनकी स्थिति बिल्कुल सामान्य है।

विजय देवरकोंडा ने सबके सामने रश्मिका मंदाना पर लुटाया प्यार

अभिनेत्री रश्मिका मंदाना इन दिनों अपनी हालिया रिलीज़ फिल्म 'द गर्लफ्रेंड' की सफलता को लेकर सुर्खियों में हैं। फिल्म को दर्शकों और समीक्षकों से बेहतरीन प्रतिक्रिया मिली है। इसी खुशी में निर्माताओं ने सक्सेस पार्टी का आयोजन किया, जिसमें रश्मिका के साथ अभिनेता विजय देवरकोंडा भी शामिल हुए। इस मौके से जुड़ा एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसमें विजय को रश्मिका पर प्यार लुटाते हुए देखा जा सकता है और यह पल फैंस के बीच खूब चर्चा में है।<वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि विजय देवरकोंडा पार्टी के बीच खड़े हैं, तभी रश्मिका वहां आती हैं। उन्हें देखते ही विजय मुस्कुराते हुए आगे बढ़ते हैं और सबके सामने उनका हाथ चूम लेते हैं। यह पहली बार है जब दोनों ने सार्वजनिक रूप से अपने रिश्ते को लेकर इतना प्यार जताया है। वीडियो सामने आने के बाद सोशल मीडिया पर फैंस तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं दे रहे हैं, कई यूजर्स का कहना है कि रश्मिका और विजय ने अब आधिकारिक तौर पर अपने रिश्ते को सबके सामने स्वीकार कर लिया है। पार्टी के दौरान रश्मिका ने विजय की तारीफ करते हुए कहा, "विजू, आप शुरुआत से ही इस फिल्म का हिस्सा रहे हैं और इसकी सफलता के हकदार हैं। आप व्यक्तिगत तौर पर इस पूरी यात्रा में मेरे साथ रहे हैं। मैं सिर्फ यही चाहती हूं कि हर किसी की ज़िंदगी में एक विजय देवरकोंडा जैसा इंसान हो, क्योंकि यह एक आशीर्वाद है।" फिल्म की सफलता और इस रोमांटिक पल के बाद सोशल मीडिया पर दोनों की शादी की चर्चाएं भी तेज हो गई हैं। कहा जा रहा है कि रश्मिका मंदाना और विजय देवरकोंडा फरवरी 2026 में शादी के बंधन में बंध सकते हैं, हालांकि दोनों की ओर से अभी इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की गई है।

'किस किसको प्यार करूं 2' का मस्तीभरा गाना 'फुर्र' रिलीज

कॉमेडियन और अभिनेता कपिल शर्मा जल्द ही अपनी अपकमिंग फिल्म 'किस किसको प्यार करूं 2' के साथ दर्शकों का मनोरंजन करने लौट रहे हैं। हालांकि फिल्म की रिलीज में अभी समय है, लेकिन मेकर्स ने इसका पहला गाना 'फ़ुर्र' रिलीज कर दिया है, जिसने आते ही सोशल मीडिया पर जबरदस्त चर्चा बटोरी। गाने को जोश बरार और यो यो हनी सिंह ने अपनी आवाज और रैप से सजाया है, वहीं कपिल का एनर्जेटिक डांस और उनका ट्रेडमार्क पंजाबी स्वैग इसे एक परफेक्ट पार्टी एंथम बना रहा है। फैंस गाने की बीट्स, विजुअल्स और कपिल की स्क्रीन प्रेजेंस की जमकर तारीफ़ कर रहे हैं। गाने की कोरियोग्राफी रजित देव ने की है, जबकि इसका निर्देशन मिहीर गुलाटी ने संभाला है। 'फुर्र' में कपिल के साथ पारुल गुलाटी, आयशा खान और त्रिधा चौधरी भी नजर आ रही हैं, जिन पर यह गाना खूबसूरती से फिल्माया गया है। कपिल शर्मा ने गाने को रिलीज करते हुए लिखा, "नाचने, झूमने और फुर्र होने के लिए तैयार हो जाइए।" उनका यह कैप्शन भी सोशल मीडिया पर खूब पसंद किया गया। फिल्म अनुकल्प गोस्वामी के निर्देशन में बनी है और यह 2015 में आई सुपरहिट कॉमेडी 'किस किसको प्यार करूं' का सीक्वल है। मेकर्स के अनुसार, सीक्वल में कॉमेडी, ड्रामा और मस्ती का डोज पहले से भी ज्यादा होगा। 'किस किसको प्यार करूं 2' 12 दिसंबर, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है, और पहला गाना देखकर फैंस का उत्साह पहले ही चरम पर पहुंच चुका है।

नवंबर के आखिरी हफ्ते से शुरू होगी प्रभास 'स्पिरिट'

सुपरस्टार प्रभास जहां अपनी हॉरर-कॉमेडी फिल्म 'द राजा साब' के लिए सुर्खियों में हैं, वहीं उनकी दूसरी बहुप्रतीक्षित फिल्म 'स्पिरिट' भी चर्चाओं का केंद्र बनी हुई है। 'एनिमल' जैसी ब्लॉकबस्टर देने वाले निर्देशक संदीप रेड्डी वांगा इस मेगा-प्रोजेक्ट का निर्देशन कर रहे हैं, और हाल ही में उन्होंने फिल्म को लेकर एक महत्वपूर्ण अपडेट शेयर किया है, जिसने फैंस में उत्साह और बढ़ा दिया है। हाल ही में संदीप रेड्डी वांगा ने बताया कि 'स्पिरिट' की शूटिंग नवंबर 2025 के आखिर में शुरू हो जाएगी। प्रभास के साथ इस फिल्म की घोषणा के बाद से ही दर्शक बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं, ऐसे में शूटिंग शुरू होने की खबर सोशल मीडिया पर वायरल हो गई। फिल्म में प्रभास के अपोजिट तृप्ति डिमरी नजर आएंगी, जो आजकल बॉलीवुड और साउथ दोनों इंडस्ट्री में पॉपुलर चेहरा बन चुकी हैं। बीते दिनों खबरें थीं कि चिरंजीवी फिल्म में प्रभास के पिता का किरदार निभा सकते हैं, लेकिन संदीप रेड्डी ने इन अफवाहों को खारिज कर दिया। उन्होंने साफ कहा कि चिरंजीवी किसी भी रूप में फिल्म का हिस्सा नहीं होंगे। वहीं, जब उनसे दक्षिण कोरियाई स्टार डॉन ली के विलेन के तौर पर शामिल होने के बारे में पूछा गया, तो निर्देशक ने इस पर न तो हां कही और न इनकार किया। इससे फैंस की उत्सुकता और बढ़ गई है। 'स्पिरिट' प्रभास के करियर की सबसे महंगी और महत्वाकांक्षी फिल्मों में से एक बताई जा रही है, और 2026 की यह रिलीज पहले से ही दर्शकों के बीच भारी चर्चा में है।

Chirag Paswan slams Mahagathbandhan: 'Finding fault with every issue'

New Delhi, Agency: Union Minister Chirag Paswan lambasted the opposition Mahagathbandhan for constantly finding fault with issues related to EVMs and blaming officials, and said that they would achieve "something better" if they spent time on their own assessment.

Finding fault with every issue, blaming EVMs, and blaming officials. If they spent as much time on their own assessment as they do on finding fault, then Congress and RJD would likely achieve something better. No Bihari tolerates personal comments that go below the limits. The 'Mahagathbandhan' has suffered losses due to this repeatedly," Paswan told media.

He further stated that the opposition was engaging in "provocative politics" by citing Gen Z protests that happened in Nepal.

"Yesterday, they stated that an atmosphere similar to that of Nepal, Bangladesh, and Sri Lanka will be created in India. Senior Congress leader Rahul Gandhi repeatedly says that Gen Z should play their role. This is provocative politics," Paswan said.

Earlier, RJD leader Sunil Singh had issued a strong warning to election officials, cautioning against any attempt to manipulate the people's mandate, otherwise "the same scenes witnessed on the roads in Nepal, Bangladesh, and Sri Lanka will be seen on the roads of Bihar as well".

Singh claimed that in the 2020 Bihar Assembly elections, "many RJD candidates were forcibly defeated," and urged vigilance to prevent such incidents from repeating.

"Many of our candidates were forcibly defeated in 2020. I have requested all our officials involved in the counting process that, if you defeat the person whom the public has given their mandate, the same scenes you witnessed on the roads in Nepal, Bangladesh, and Sri Lanka will be seen on the roads of Bihar as well," Singh told media.

The RJD leader further warned that any act against the will of the people could trigger widespread public

outrage. "You will see the common people taking to the streets. We are absolutely vigilant about this, and we urge you not to do anything that goes against public sentiment, that the public will not accept," Singh added.

The NDA's 'tsunami' swept away the opposition Mahagathbandhan in Bihar, with the BJP emerging as the single-largest party with 89 seats, and the Janata Dal (United) finishing a close second with 85. The other allies of the ruling coalition also registered high strike rates.

The parties of the Mahagathbandhan, including the RJD and Congress, suffered significant setbacks, and Jan Suraaj, which had hoped for an impressive debut after its founder, Prashant Kishor, conducted an extensive campaign, failed to open its account.

The ruling NDA got 202 seats, a three-fourths majority in the 243-member House. This is the second time the NDA has crossed the 200-mark in the assembly polls. In the 2010 polls, it had won 206 seats.

In the NDA, the Bharatiya Janata Party (BJP) won 89 seats, Janata Dal (United) won 85, Lok Janshakti Party (Ram Vilas) (LJPRV) won 19, Hindustani Awam Morcha (Secular) (HAMS) won five, and Rashtriya Lok Morcha won four seats.

In Mahagathbandhan, Rashtriya Janata Dal (RJD) won 25 seats, Communist Party of India (Marxist-Leninist) (Liberation) - CPI(ML)(L) - two, Indian Inclusive Party (IIP) - one and Communist Party of India (Marxist) - CPI(M) one seat.

All India Majlis-E-Ittehadul Muslimeen (AIMIM) won five seats, and Bahujan Samaj Party (BSP) got one seat.

Gujarat ATS nabs man wanted in Punjab for grenade, arms smuggling for Pak-linked gang

New Delhi, Agency: The Gujarat Anti Terrorist Squad (ATS) has apprehended a man wanted by the Punjab police for his alleged involvement in smuggling arms for a gang working at the behest of Pakistan-based terrorist networks to carry out grenade attacks in the country, an official said.

The ATS, in a release on Friday, said that Gurpreet Singh alias Gopi Billa was nabbed from Halol town in Panchmahal district based on a specific input shared by the Punjab police.

"He will be handed over to the Punjab police. Recently, police in Punjab's Gurdaspur district registered a case against certain individuals for smuggling and detonating

grenades and helping terrorist networks operating across the border," the release said.

"Preliminary probe revealed the main accused of the case, Manu Agwan and Maninder Billa, who are currently in Malaysia, were recruiting operatives in Punjab at the behest of handlers of Pakistan's ISI to carry out grenade attacks in densely populated areas of Punjab and other states to spread terror," the release added.

During the interrogation of two other accused arrested recently, the Punjab police learnt about Singh's role in smuggling two grenades and two pistols as part of the conspiracy to carry out terror attacks, said the release."Based on the information shared by the Punjab police, the ATS team reached Halol and learnt that Singh had started working as a labourer in a factory. He was apprehended from a hotel and brought here for further questioning. Singh admitted to his role in the grenade attack conspiracy," the release said.

'No melodrama': What Delhi HC said as Karisma claims daughter's fees not paid amid Sunjay Kapur's estate battle

New Delhi, Agency: The advocate representing actor Karisma Kapoor's children in the ongoing estate battle involving their late father Sunjay Kapur, told the Delhi High Court on Friday that the fees of one of the children, Samaira, has not been paid for two months.

Senior advocate Mahesh Jethmalani, appearing for Karisma Kapoor's children, told the Delhi High Court that under the matrimonial decree, Sunjay was to pay for the expenses of the children. He said that the children's estate is with Priya Kapur, and it is up to her.

After hearing the submissions, Justice Jyoti Singh remarked, "I don't want this hearing to be melodramatic," reported Bar and Bench.

Priya Kapur challenges claim by Karisma's kids

After Jethmalani claimed that two-month fee of one of Karisma's children studying in the US had not been paid, senior Advocate Rajiv Nayar, appearing for Priya Kapur, challenged the assertion and said that all expenses raised by the children have been fulfilled. He also said the purpose of raising this issue is that it "should come in the newspaper".

Thane court sentences three to life imprisonment in 2021 mob lynching case

Thane, Agency: A court in Maharashtra's Thane district has sentenced three men to life imprisonment in a mob lynching case, in which a man was beaten to death on suspicion of theft, citing the gravity and cruelty of the crime.

Additional Sessions Judge V G Mohite on Friday found the accused, Ramtej alias Gavya Rama Yadav , Amarjeet alias Chabi Bindraprasad Gupta and Chirag alias Kalya Shobhnath Thakur guilty of charges under sections 302 , 323 , and 504 of the Indian Penal Code.

The court sentenced the trio to life imprisonment and imposed a fine of 10,000 each on them.

It acquitted another accused, Shivkumar alias Lala Binder Lodh, of all charges, giving him the benefit of the doubt.

The incident occurred on March 6, 2021, when the victim, Surajbhan Omprakash Soni and another person, Vicky alias Abhishek Singh, were assaulted by a mob over a suspicion of theft in the Indira Nagar area of Bhayander East.

The assault resulted in Soni's death, and a post-mortem confirmed the cause of death as "intracranial haemorrhage and brain contusion".Additional public prosecutor Rashmi Kshirsagar said that 10 prosecution witnesses were examined to prove the charges against the accused.

The court, in its order, noted that the videos of assault showed gravity and cruelty during the commission of the offence.

Although the accused are young offenders and their family members are dependent on them, the manner of the commission of the offence must be taken into consideration during sentencing, the judge observed, noting that the points argued on behalf of the accused were insufficient to show leniency.

"Imprisonment for life is the rule and death sentence is an exception," the court said.

"Death sentence must be imposed only when life imprisonment appears to be an inadequate punishment," the judge said, holding that the case did not fall under the rarest of rare case category.

Why BJP suspended ex union minister RK Singh day after Bihar win

New Delhi, Agency: Bharatiya Janata Party's Bihar state unit suspended former union minister R K Singh from the party on Saturday, a day after it emerged as the single largest party in 2025 Bihar assembly polls by winning 89 seats.

Along with Singh, the party has also suspended BJP MLC Ashok Agarwal.

Why was RK Singh suspended?

According to the letters announcing the suspension, the action was taken against RK Singh, who is also a former BJP MP from Arrah, and MLC Ashok Agarwal due to anti-party activities.

The letter stated that the action was necessitated due to the continued cross-party rhetoric of both the leaders and that it was important to

maintain discipline within the organisation.

The party has also given both Singh and Agarwal a week to clarify their position and submit their replies.

One of the reasons behind the action against Singh is also complaints against him of being involved in anti-party activities, particularly around the recent Bihar assembly polls, news agency reported citing people aware of the matter in the BJP. They said that the former union minister was making allegations against his own party leaders.

In October, ahead of the Bihar assembly polls, Singh had shared a post on Facebook urging voters to not vote for leaders with criminal backgrounds, which also included several NDA candidates such as JD(U)'s Anant Singh and BJP's Samrat Choudhary, who is also Bihar's deputy chief minister.

What does suspension letter say?

The suspension letter addressed to RK Singh, as shared by news agency , read, "Your activities are against the party. This falls under violation of party discipline. The party has taken this matter seriously, and it has caused harm to the party.""Therefore, as per instructions, you are being suspended from the party and asked to explain why you should not be expelled from the party. You are hereby directed to clarify your position within one week of receiving this letter," it added.

28 blackbucks die at Belagavi zoo, Forest Minister orders probe

New Delhi, Agency: Twenty eight blackbucks have died under mysterious circumstances in the Kittur Rani Chennamma Zoo here in the past three days, a zoo official said on Saturday.

The zoo had 38 blackbucks, of which 28 have died, which has alarmed the authorities.

Karnataka Forest Minister Eshwra Khandre has ordered a probe into the deaths. He expressed concern over the deaths.

According to the Assistant Conservator of Forest Nagaraj Balhasuri, eight blackbucks died two days ago while 20 died on Saturday.

He said the veterinary doctor at the zoo suspected that they died due to a bacterial infection though actual cause is yet to be ascertained.

We have sent the viscera sample to the authorities at Bannerghatta Zoological Park in Bengaluru to find out the reason behind the death," Bale told reporters.

The Forest Minister said in a statement that preliminary reports indicate that these deer died of an infectious disease, and all precautionary measures have been taken to prevent any other animal in the zoo from getting infected.

An expert committee should be formed to investigate whether these deaths were caused due to the consumption of contaminated water and food or whether the disease was spread by domestic animals such as cats and appropriate action should be taken, he said.

"It is a matter of concern that animals in the zoo are dying in this way. Such incidents should not recur in the future and that appropriate action should be taken as per the rules in case of negligence on the part of the staff," he said.

He warned that action will be taken if it is found that they died due to negligence of the zoo staff.